डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-
adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-5

PG-8

सिनेमाःरणबीर कपूर और आलिया भट्ट शादी के बाद इस भव्य होटल में देंगे रिसेप्शन

वर्ष -08 अंक -36 | प्रयागराज, सोमवार 11 अप्रैल, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

कनाडा में मारे गए भारतीय छात्र के पिता ने केंद्र सरकार से की ये भावुक अपील

गाजियाबाद। कनाडा के टोरंटो में बीते दिनों गोलीबारी में मारे गए गाजियाबाद के छात्र के पिता ने केंद्र सरकार से उसके शव को भारत लाने में समर्थन की भावुक अपील की है। छात्र कार्तिक वासुदेव की गुरुवार शाम शेरबॉर्न मेट्रो स्टेशन के बाहर गोलीबारी की घटना में मौत हो गई थी। मृतक के पिता रितेश वासुदेव ने बताया कि टोरंटो में भारतीय वाणिज्य दूतावास से उन्हें एक फोन भी आया था। दूतावास ने बताया कि वह भारत में पार्थिव शरीर लाने के अनुरोध पर विचार कर रहा है। छात्र के पिता ने बताया कि नियमानुसार अभी समय लग सकता है क्योंकि कनाडा सरकार की आवश्यकता के अनुसार अनुरोध को संसाधित करने में लगभग छह दिन लग सकते हैं। पिता ने इसके लिए सरकार को कोई कदम उठाने की सिफारिश की है। उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर को भी इसके संबंध में ट्वीट किया था, लेकिन उन्हें अभी तक किसी भी सरकारी अधिकारी की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

कोरोना मामलों में तीन दिन बाद आई गिरावट, 24 घंटों में 1054 नए मामले आए सामने

नई दिल्ली। कोरोना मामलों में कई दिनों बाद गिरावट देखने को मिली है। लगातार पिछले तीन दिनों से कोरोना केसों का ग्राफ बढ़ रहा था। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार बीते 24 घंटों में 1054 नए मामले सामने आए हैं। वहीं इस दौरान 1,258 लोग कोरोना को मात देकर ठीक हुए हैं और 29 लोगों की कोरोना से मौत हुई है। इसके साथ ही कोरोना के कुल मामलों की संख्या अब 4,30,35,271 हो गई है। कोरोना मामलों में कमी के साथ ही देश में अब कोरोना के एक्टिव केस भी कम हो गए हैं। कुल एक्टिव केस अब 11,132 हो गए हैं। वहीं रिकवरी में तेजी के कारण कुल संख्या 4,25,02,454 पर आ गई है। दूसरी ओर मौतों की संख्या में अब कुछ ब्रेक लगा है और हर दिन इसमें कमी देखने को मिल रही है। कुल मौतों की बात की जाए तो यह संख्या अब 521685 पर पहुंच गई है।

केंद्र की योजनाओं ने किसानों को बनाया सशक्त, पीएम मोदी बोले किसानों को ताकत दे रही हमारी सरकार

नई दिल्ली। फसल के मौसम और बैसाखी के पर्व से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि देश में 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' और अन्य योजनाएं करोड़ों किसानों को नई ताकत दे रही हैं। पीएम मोदी ने रविवार को एक ट्वीट

में किसानों के लिए केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभों का विवरण साझा करते हुए कहा लिखा कि सशक्त किसान एक समृद्ध राष्ट्र की कुंजी हैं। पीएम मोदी ने कहा कि देश को हमारे किसान भाइयों और बहनों पर गर्व है। देश में किसानों को और सशक्त बनाया जाए तो नया भारत और समृद्ध होगा। मुझे खुशी है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और कृषि से संबंधित अन्य योजनाएं देश के करोड़ों किसानों को नई ताकत दे रही हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर जानकारी दी है कि देश में 11.3 करोड़ किसानों को योजनाओं से सीधे लाभ हुआ है, जिसमें 1.82 लाख करोड़ रुपये सीधे उनके खाते में स्थानांतरित किए गए हैं। इसके अलावा पीएम किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को 6,000 रुपये की वार्षिक मदद मिली है। जबकि 1.30 लाख करोड़ रुपये की राशि महामारी के दौरान हस्तांतरित की गई है। इसका लाभ विशेष रूप से छोटे किसानों तक पहुंचा है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा फरवरी 2019 में पेश किए गए भारत सरकार के अंतरिम केंद्रीय बजट में प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि की घोषणा की गई थी। जिसमें सभी किसानों को न्यूनतम आय सहायता के रूप में प्रति वर्ष 6,000 रुपये तक मिलेंगे। इस बीच, कृषि अवसंरचना कोष के तहत कृषि संबंधी बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 1 लाख करोड़ की ऋण सुविधा प्रदान की गई है। इनमें 11,632 परियोजनाओं के लिए 8,585 करोड़ रुपये के ऋण की स्वीकृति दी गई है। इसके अलावा पीएम मोदी ने बताया कि 1.73 करोड़ किसानों ने ई-एनएएम प्लेटफार्म पर पंजीकरण कराया है। जिसने 1.87 लाख करोड़ रुपये का कारोबार किया है। राष्ट्रीय कृषि बाजार भारत में कृषि वस्तुओं के लिए एक आनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफार्म है। ई-मार्केट किसानों, व्यापारियों और खरीदारों को आनलाइन व्यापार की सुविधा प्रदान करता है और बेहतर कीमत दिलाने में मदद करता है। साथ ही उपज के सुचारू विपणन के लिए सुविधाएं प्रदान करता है।

पांच राज्यों में चुनाव खत्म इस महीने फिर छुट्टियां मनाने विदेश जा सकते हैं राहुल गांधी

नई दिल्ली। हाल ही में संसद का सत्र खत्म हुआ है और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। राहुल के इसी महीने विदेश जाने की संभावना है। कांग्रेस पार्टी पांच राज्यों में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में अपनी हार के बाद पहले ही कठिन चुनौतियों का सामना कर रही है। इस बीच

राहुल का ऐसे छुट्टियों पर जाना पार्टी की ओर मुश्किलें बड़ा सकता है। बीजेपी भी इसे भुनाने में पीछे नहीं रहने वाली है जो पहले ही उन्हें चुनावी नेता बताती है। सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी के इस महीने में विदेश जाने की संभावना अधिक है। उनका हाल ही में वहां जाने का कार्यक्रम था, लेकिन अब यात्रा स्थगित कर दी गई है और जल्द अंतिम कार्यक्रम फिर से बनाया जाना है। विशेष रूप से, पिछले पांच महीनों में यह उनकी दूसरी विदेश यात्रा है, इससे पहले वह दिसंबर 2021 में लगभग एक महीने के लिए निजी यात्र पर विदेश गए थे। इस बीच, उनकी यात्रा गुजरात और हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले हो रही है, जो इस साल के अंत में होने वाले हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कल यूपी चुनाव को लेकर एक बड़ा खुलासा किया था। राहुल के अनुसार उनकी पार्टी ने इस विधानसभा चुनाव में मायावती को एक बड़ा आफर दिया था। कांग्रेस नेता के अनुसार पार्टी ने बीएसपी सुप्रीमों मायावती को गठबंधन करने के साथ प्रदेश की मुख्यमंत्री बनाने को कहा था लेकिन उन्होंने कोई जवाब तक नहीं दिया राहुल ने आगे कहा कि बीएसपी ने इस बार पूरी ताकत से चुनाव नहीं लड़ा, अगर वह लड़ती तो नतीजे कुछ और होते। उन्होंने कहा कि मायावती ने भाजपा को खुला मैदान दे दिया जिसका फायदा उन्हें हुआ। मायावती ने यह सब ईडी, सीबीआई और पेगासस के डर से किया।

भारतीय जनता युवा मोर्चा की नई वार्ता श्रृंखला में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण हुईं शामिल

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय जनता युवा मोर्च की नई वार्ता श्रृंखला के उद्घाटन सत्र में 30 युवा और गतिशील भारतीयों के साथ बातचीत की। समाचार एजेंसी एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय वित्त मंत्री ने इस दौरान विभिन्न नीति संबंधी विषयों पर चर्चा की। भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक सीतारमण ने मोदीनामिक्स मंत्रालय का कोविड दृष्टिकोण, रोजगार, स्टार्टअप, डिजिटल अर्थव्यवस्था, डिजिटल करेंसी, आर्थिक विकास का भविष्य और देश के सामने बड़ी चुनौतियों जैसे विषयों पर चर्चा की। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस चर्चा के दौरान अपनी 'पसंदीदा किताबों', रक्षा मंत्रालय और वित्त मंत्रालय में अपने अनुभवों को भी साझा किया। इससे पहले भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है। इसीलिए देश की नीति बनाते समय युवाओं की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं पर भी गौर करना जरूरी है। आपसी बातचीत और संवाद लोकतंत्र में सामंजस्य बिठाने और समावेशी विकास के विजन को साकार करने का सशक्त माध्यम है। मालूम हो कि भाजयुमो ने एक नई वार्ता श्रृंखला शुरू की है। इसमें देश भर के युवाओं को शीर्ष मंत्रियों और नेताओं के साथ सीधे संवाद करने का मौका मिलेगा। इस चर्चा के दौरान नीति निर्माण की बारीकियों को समझने की कोशिश होगी। वहीं समाचार एजेंसी पीटीआइ के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी रविवार को रामनवमी के मौके पर गुजरात के गठिला में उमिया माता मंदिर

के 14वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने नरेन्द्र मोदी ने साल 2008 में इस मंदिर का उद्घाटन किया था। तब वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे। नरेन्द्र मोदी के सुझावों पर मंदिर ट्रस्ट समाज के कमजोर वर्गों के लिए कई गतिविधियां संचालित कर रहा है। उमिया मां कदव पाटीदारों की कुलदेवी मानी जाती हैं।

गृह मंत्री अमित शाह ने नडाबेट में किया बार्डर व्यू पाइंट का उद्घाटन, पर्यटक ले सकेंगे आर्ट गैलरी और संग्रहालय का आनंद

बनासकांठा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को गुजरात के बनासकांठा जिले के दौरे पर पहुंचे। यहां गृह मंत्री अमित शाह ने नडाबेट में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बार्डर व्यू पाइंट का उद्घाटन किया। ये व्यू पाइंट पंजाब के वाघा-अटारी बार्डर की तर्ज पर बनाया गया है। गुजरात पर्यटन वेबसाइट के अनुसार, नडाबेट में यात्रियों को भारत की सीमा पर एक सैन्य चौकी के कामकाज को देखने का अवसर प्रदान करेगा। इस दौरान यहां आने वाले पर्यटक डूबते हुए सूर्य का खूबसूरत नजारा भी देख पाएंगे। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हर बार जब-जब देश में आपदा आई है। तब ँएइ ने वीरता दिखाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। यहां आकर बच्चों

के मन में भी देशभक्ति की भावना जगती है। यहां पर्यटन को भी बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। दरअसल, नडाबेट में व्यू पाइंट के बनने से गुजरात टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। गुजरात पर्यटन के अनुसार, नडाबेट में आर्ट गैलरी बनाई गई है। इसके अलावा को समर्पित एक संग्रहालय भी तैयार किया गया है। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नबाबेट में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दर्शनीय स्थल (व्यूप्वाइंट) के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया। उद्घाटन से पहले अमित शाह ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ रविवार को बनासकांठा के नादेश्वरी माता मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह गांधी नगर में नेशनल कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन आफ इंडिया लिमिटेड के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लेंगे। केंद्रीय मंत्री गांधीनगर में गुजरात राज्य सहकारी विपणन संघ, गुजकोमासोल के कार्यालय का भी उद्घाटन करेंगे।

कांग्रेस के विकल्प के तौर पर आम आदमी पार्टी चाहती है भाजपाः सलमान खुर्शीद

गुवाहाटी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने शनिवार को बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी, आम आदमी पार्टी (आप) को कांग्रेस के विकल्प के रूप में चाहती है। उन्होंने इसका कारण बताते हुए कहा भाजपा ऐसा इसलिए चाहती है क्योंकि वह आम आदमी पार्टी को सरलता से संभाल सकते है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा, 'भाजपा अभी भी कांग्रेस से डरी हुई है, भले ही हम संसद में प्रतिनिधित्व के मामले में इतनी छोटी पार्टी में सिमट गए हों, लेकिन देश भर में पदचिह्न के मामले में नहीं। वे आम आदमी पार्टी को आगे बढ़ाना चाहते हैं, क्योंकि वे को एक अच्छी

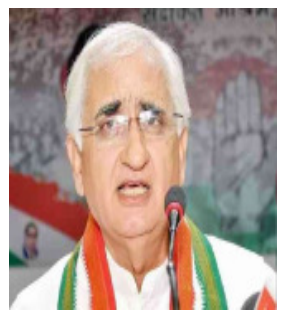

सलाहकार के रूप में पाते हैं। वे आम आदमी पार्टी को बहुत आसानी से संभाल सकते हैं, शायद पहले से ही संभाल रहे है लेकिन वे कांग्रेस को नहीं संभाल सकते। इसलिए, उन्हें आप बनाम भाजपा कहना पड़ रहा है।' समाचार एजेंसी एएनआइ से बातचीत करते हुए सलमान खुर्शीद आगे कहा, 'जहां तक हमारा सवाल है, हम भारत के लोगों के लिए एक पार्टी है और देश हमारे साथ है, इसके लिए जो करना होगा, हम करेंगे। भाजपा प्रचार करने के अलावा कुछ नहीं करती है।' इस वर्ष पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली करारी हार के बाद कांग्रेस की कमजोर स्थिति साफ देखी जा सकती है। कांग्रेस पार्टी में नेतृत्व संकट पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी में नेतृत्व का कोई संकट नहीं है, बल्कि राजनीति का है। पार्टी में ऐसे नेता हैं जिन्होंने लंबे समय तक खुशी-खुशी देश की सेवा की है। उन्होंने कहा, 'संकट राजनीति का है, नेतृत्व का नहीं है और न केवल हमारी पार्टी की राजनीति बल्कि देश और सभी दलों की राजनीति का है। हमारे पास नेतृत्व है। हम अपने नेताओं के लिए प्रतिबद्ध है और उनकी प्रशंसा करते हैं। हमें उन पर विश्वास है।' नेता सलमान ने कहा कि कुछ हार के बाद पार्टी कमजोर नहीं हुई है।

विपक्ष को नहीं सुहाया अमित शाह का हिंदी पर दिया गया सुझाव

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह का हिंदी को लेकर दिया गया सुझाव विपक्षी नेताओं को पसंद नहीं आया। विपक्षी नेताओं ने शुक्रवार को शाह के बयान की तीखी आलोचना की

और इसे भारत के बहुलवाद पर हमला बताया। कहा कि वे हिंदी साम्राज्यवाद को लागू करने के कदम को विफल कर देंगे। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने शाह पर हिंदी थोपने का प्रयास करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट किया कि हिंदी राजभाषा है, न कि राष्ट्रभाषा, जैसा कि राजनाथ सिंह ने संसद में गृह मंत्री रहते हुए कहा था। हिंदी साम्राज्यवाद भारत के लिए मौत की घंटी होगी। कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने पत्रकारों से कहा कि गृह मंत्री ने हिंदी के बारे में उपदेश देने की कोशिश की है, जो उन्हें नहीं करना चाहिए। मैं हिंदी का बहुत बड़ा समर्थक हूं, लेकिन थोपने का नहीं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि हिंदी पर शाह का जोर भारत की अखंडता और बहुलवाद के खिलाफ है। यह देश की अखंडता को बर्बाद कर देगा। उन्होंने ट्वीट किया, क्या अमित शाह सोचते है कि हिंदी राज्य पर्याप्त है और भारतीय राज्यों की आवश्यकता नहीं है आप बार-बार वही गलती कर रहे हैं। हालांकि, आप सफल नहीं होंगे। बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि भाजपा नीत केंद्र सरकार द्वारा गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपने के किसी भी प्रयास का विरोध किया जाएगा। तृणमूल के वरिष्ठ नेता सौगत राय ने कहा, भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भी कहा था ।

लाउडस्पीकर विवाद गहराया,एम एन एस ने शिवसेना भवन पर किया हनुमान चालीसा का पाठ, पुलिस ने बंद करवाया

मुंबई। महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना

(एमएनएस) ने रामनवमी के मौके पर मुंबई में शिवसेना भवन के बाहर लाउडस्पीकर लगाकर हनुमान चालीसा बजाया। हालांकि कुछ ही देर बाद पुलिस शिवसेना भवन पहुंची और इसे बंद करवा दिया। पुलिस ने उस गाड़ी को भी जब्त कर लिया, जिस पर लाउडस्पीकर लगाकर हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा जा रहा था। साथ ही पुलिस ने मनसे नेता यशवंत किल्लेकार को हिरासत में लेकर शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन गई। बता दें किपिछले दिनों राज ठाकरे ने महाराष्ट्र की मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि लाउडस्पीकर नहीं हटाए गए तो मस्जिदों के सामने तेज आवाज में हनुमान चालीसा बजाएंगे लाउडस्पीकर से अजान के मुद्दे पर शिवसेना सांसद संजय राउत ने पिछले दिनों कहा था कि महाराष्ट्र के गृह मंत्री ने भी नोटिस जारी किया है। इसमें कहा गया है कि अजान करते समय लाउडस्पीकर डेसिबल का स्तर कितना होना चाहिए। गौरतलब है कि 2 अप्रैल को मुंबई के दादर में शिवाजी पार्क के अपने भाषण में राज ठाकरे ने चेतावनी दी थी अगर मस्जिदों से लाउडस्पीकर नहीं उतरवाए गए तो उनकी पार्टी के कार्यकर्ता मस्जिदों के सामने हनुमान चालीसा बजाएंगे। महाराष्ट्र के गृहमंत्री ने दी थी चेतावनी इसकी शुरुआत मुंबई के घाटकोपर इलाके से हुई फिर नासिक में एमएनएस कार्यकर्ताओं ने हनुमान चालीसा बजाने की शुरुआत की। इस मुद्दे पर महाराष्ट्र के गृहमंत्री दिलीप वलसे पाटील ने चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर समाज में तनाव पैदा करने की कोशिश की गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी जानें- क्या है पूरा विवाद बता दें कि पिछले दिनों मनसे कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राज ठाकरे ने महाराष्ट्र के मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की मांग की थी। राज ठाकरे ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि अगर पुलिस और प्रशासन जल्द ही मस्जिदों से लाउडस्पीकर नहीं हटाती है तो मस्जिदों के सामने तेज आवाज में हनुमान चालीसा बजाएंगे। राज ठाकरे ने चेतावनी देने के बाद यह भी कहा था कि मैं प्रार्थना या किसी विशेष धर्म के खिलाफ नहीं हूं।

एक्स. ई. एन. बिजली विभाग को बर्खास्त कर दर्ज होनी चाहिए मुकदमा कार्रवाई ना होने पर होगी धरना प्रदर्शन किसान नेता ब्बलू दूबे

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर (प्रयागराज)। किसानों की समस्याओं के लिए आवाज उठाने वाले विधान परिषद सदस्य सुरेन्द्र चौधरी के पक्ष में किसान नेता बबू दूबे ने कहा कि किसान हितैसी सुरेन्द्र चौधरी के साथ अधिशासी अभियंता अग्रवाल के द्वारा की है। ऐसे कर्मचारियों को तत्काल बर्खास्त कर मुकदमा पंजीवृत करते हुए उचित कार्यवाही करनी चाहिए तथा लग रहे आरोपों की जांच होनी चाहिए। जिसका कनेक्शन काटा गया। उससे अवैध धन की मांग की गयी है। ऐसे भ्रष्ट कर्मचारियों की जरूरत हमारे

अभद्रता किया गया तथा जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया गया है। जो कि यह निंदनीय है। हरगिज बर्दाश्त नही किया जाएगा। यह विजली विभाग का कर्मचारी समाजवादी व बहुजन समाज पार्टी के विचार धारा का है। जो किसान हितैसी भाजपा नेता सुरेन्द्र चौधरी के साथ अभद्रता जनपद में नही हैं। यदि उत्तर प्रदेश शाशन ऐसे कर्मचारी के विरूद्ध कोई ठोस कानूनी कार्रवाई नही करती है तो हमारा संगठन धरना प्रदर्शन करने पर बाध्य होगा। हमारा संगठन किसान हितैसी नेता सुरेन्द्र चौधरी के साथ है। किसानों में आक्रोश ब्याप्त है।

भूमाफियाओं के द्वारा अवैध कब्जा की गई सरकारी जमीन पर नही हो रही है कानूनी कार्रवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर (प्रयागराज)। फूलपुर तहसील अंतर्गत क्षेत्र स्थित पतुलकी गाँव में भूमाफिया अजय पटेल व अभिजीत पटेल के द्वारा ग्राम सभा की जमीन पर अवैध बाउंड्री वाल की गई है। जिसके संबंध में गाँव

का ही भूमिहीन ब्यक्ति मोहम्मद नईम पुत्र मोहम्मद हुसैन के द्वारा मुख्यमंत्री कार्यालय लखनऊ जाकर इन भूमाफियाओं व भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ शिकायत की थी। जिसकी सुनवाई आज तक ना हो सकी। शिकायतकर्ता का कहना है कि मुख्यमंत्री कार्यालय से जांच का आदेश आया तो भ्रष्ट अधिकारियों के द्वारा पूरी फर्जी रिपोर्ट तहसील परिसर से ही लगाकर भेज दी गई। ना कोई अधिकारी मौके का निरीक्षण करने आया और ना ही कोई जानकारी दी गई। चोरी छुपे फर्जी रिपोर्ट लगा कर भेज दी गई। उपजिलाधिकारी फूलपुर युवराज सिंह के कार्यकाल में दबंग भूमाफिया ग्राम प्रधान की मिली भगत से ग्राम सभा की जमीन पर अवैध कब्जा कर बाउंड्री वाल करा कर मोटी रकम में बेचने की फिराक में है। इन भूमाफियाओं का संबंध क्षेत्रीय विधायक प्रवीण पटेल से है। विधायक जी के संरक्षण के कारण इन भूमाफियाओं के ऊपर किसी भी प्रकार की कार्रवाई नही हो पाती है। जिसके कारण इनका मनोबल धीरे धीरे बढ़ता चला गया और आज भूमाफिया के नाम से मशहूर अजय पटेल व अभिजीत पटेल निवासी ग्राम बीरभानपुर के है। जिनका क्षेत्र में दहशत है। क्या इन लोगों को जाति का फायदा मिल रहा है। उक्त भूमाफियाओं का कहना है कि सांसद से लेकर विधायक व ब्लाक प्रमुख हमारे हैं हम लोग जो चाहेंगे वही होगा। इनका मनोबल बढ़ने से बस्ती में आक्रोश है। भूमाफियाओं के विरूद्ध किसी भी प्रकार की कोई कारवाई ना होने के कारण क्षेत्र में इनके खिलाफ कोई आवाज़ उठाने की हिम्मत नही कर पाता है। क्योंकि किसी भी महिला को पैसा देकर फर्जी छेड़छाड़ व मारपीट जैसे आरोप लगवाकर थाना में फर्जी मुकदमा दर्ज करवाने का काम करते हैं।

डीएवी पब्लिक स्कूल ओबरा में हवन व स्कॉलर्स डे का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। डी ए वी पब्लिक स्कूल ओबरा के प्रांगण में नए सत्र 2022 -23 का शुभारंभ आर्य समाज परंपरा के अनुसार प्रधानाचार्य डॉ हिमांशु पांडेय के मार्गदर्शन में संस्कृत आचार्य श्री अमित दीक्षित के नेतृत्व में पांच कुंडो के हवन के साथ हुआ, जिस कार्यक्रम का सभी शिक्षकों ने अपने विद्यार्थियों समेत बहुत ही उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा के साथ स्वागत किया । सभी बच्चों का तिलक किया गया और प्रसाद देकर शिक्षकों ने आशीर्वाद के साथ कक्षा में स्वागत किया। इस नए सत्र में विद्यार्थियों के स्वागत के लिए पूरे प्रांगण की साज-सज्जा शिक्षकों एवं गैर शिक्षण कर्मचारियो ने बड़े ही लगन और उत्साह के साथ की।इस दिन को स्कॉलर्स दिवस भी मनाया गया , जिसमें बीते सत्र में अकादमीक दृष्टि से उत्वृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रधानाचार्य द्वारा सर्टिफिकेट ऑफ एप्रेशिएशन प्रदान किया गया। प्रांगण में उपस्थित सभी विद्यार्थियों को प्रधानाचार्य का सानिध्य व मोटिवेशन प्राप्त हुआ और उन्होंने अपने उद्बोधन में आगे आने वाले सत्र में बच्चों द्वारा अच्छे से अच्छा करने की शुभेक्षा की , तथा नैतिक मूल्यों पर जोर दिया।प्रधानाचार्य ने अपने उद्बोधन में इस कोरोना के संक्रमण सत्र के दौरान अभिभावकों के सहयोग और भूमिकाओं को भी अति महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने शिक्षकों का विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में योगदान के लिए आह्वान किया। सभी में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ, विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया तथा एक दृढ़ संकल्प किया कि वह इस सत्र में और बेहतर प्रदर्शन करने का भरपूर प्रयास करेंगे।

सपा नेत्री निधि यादव ने संभाली पिता की चुनावी जिम्मेदारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। इलाहाबाद कौशांबी के एमएलसी पद हेतु सपा प्रत्याशी वासुदेव यादव की चुनावी कमान फूलपुर प्रतापपुर सहसो बहरिया आदि की जिम्मेदारी उनकी पुत्री निधि यादव सपा नेत्री एवं एडवोकेट ने तूफानी दौरा के साथ सभाले रखी। पूर्व प्रमुख सपा नेता सुषमा भारतीय भी साथ रही। दोपहर जब फूलपुर उनका काफिला पहुंचा तो सपा के बूथ से 45 मत बासदेव यादव के खेमे में से पढ़ चुके थे। सपा बूथ पर लगे कार्यकर्ताओं नसरुद्दीन राईन, अमृत लाल ओसवाल, अरशद उल्ला, शहजादे पहलवान, शमशाद अहमद, कुमार मंगल, सददन भाई, जगदीश गुप्ता, मसूद खान, बबलू प्रधान, नंदलाल यादव, तुलसीराम यादव, उर्मिला देवी सरोज की सराहना करते हुए मुस्तैदी से लगे रहे। मौके पर पूर्व नगर अध्यक्ष मंसूर आलम तथा वर्तमान अध्यक्ष काजमीन जहां भी उपस्थित रही।

महीने भर में ही टूट गया आर.ओ.बी. का लोहिया डिवाइडर

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। फूलपुर तहसील के पास बने रेलवे ओवर ब्रिज जो ब्रिज कांस्ट्रॉक्शन तथा लोक निर्माण खंड-3 द्वारा बनाया गया था। ओवर ब्रिज की सड़क तथा लोहे के डिवाइडर टूट गए थे। अभी माह भर पूर्व उक्त विभागों ने मरम्मतीकरण किया। परन्तु दिन-रात भारी वाहनों ने पुनः तोड़ डाला। पुल से सटे तहसील परिसर है। पर न तो एसडीएम न तो तहसीलदार निगाह नहीं डालते। नई सरकार की बुलडोजर व्यवस्था का भी भय उपरोक्त विभाग को नहीं है।

फूलपुर में एमएलसी चुनाव सकुशल संपन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। इलाहाबाद कौशांबी स्थानीय निकाय चुनाव शनिवार सुबह 8 बजे से शाम 4:00 बजे तक ब्लाक फूलपुर में सकुशल संपन्न हो गया। फूलपुर में 88 बीडीसी 67 प्रधान 14 सभासद कुल 169 मत थे। जो सत प्रतिशत पड़ गए किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना अथवा अव्यवस्था नहीं हुई थाना फूलपुर द्वारा आवश्यक व्यवस्था की गई थी बता दें कि सपा प्रत्याशी बासुदेव यादव एवं भाजपा के के पी श्रीवास्तव में सीधी टक्कर रही।

ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा गरीबों को दी गई इफ्तार किट

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। फूलपुर क्षेत्र में अर्सा से नई दिल्ली की एक संस्था ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा गरीबों बेसहारों विधवाओं तथा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों को फूलपुर के प्रतिनिधि डॉ सिराज उद्दीन सिद्दीकी एवं नोमान सिद्दीकी के माध्यम से जहां ठंडक में रजाई कंबल तथा खादय सामग्री उपलब्ध कराती है। वही रमजान के मुबारक माह में रमजान किट जिसमें सिवई चावल खजूर खादय तेल इफ्तार सामग्री हुआ करती है। वितरित की जाती है। शाम सुबह फूलपुर में डॉ सिद्दीकी ने अपने आवास पर साठ रमजान किटस तथा सलमा पुर गांव में भी साठ किटस वितरित किए। किटस पाकर गरीबों बेसहारों यतीमो विधवाओं के चेहरे पर मुस्कान छा गई। मौके पर अ0 अहद उर्फ प्यारे भाई, समा भाई, फुरकान, इकबाल, अ0 खालिक की उपस्थिति में यासमीन, रेशमा, गुड़िया, शाहजहां, सिराज, वसीम, रिहाना, सफीकुल आदि लोगों को किट वितरित किए गए।

प्रतापगढ़ में सत्ताधारी भाजपा और राजा भैया की प्रतिष्ठा है दांव पर

प्रयागराज। प्रतापगढ़ में विधान परिषद सदस्य (स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र) के चुनाव में सत्तारुढ़ दल भाजपा व जनसत्ता दल लोकतांत्रिक अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। इसके साथ ही मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के दो विधायकों की भी साख फंसी हुई है एमएलसी की स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र की सीट पर वर्ष 1998 में पहली बार रघुराज प्रताप सिंह के करीबी अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपालजी निर्वाचित हुए थे। दोबारा 2004 में हुए चुनाव में अक्षय प्रताप फिर चुने गए। वर्ष 2004 में अक्षय प्रताप सिंह के सांसद निर्वाचित होने पर रिक्त हुई सीट पर उप चुनाव में राजा भैया के करीबी आनंद भूषण सिंह बब्बू राजा निर्विरोध निर्वाचित हुए थे। फिर पिछले दो चुनाव में अक्षय प्रताप सिंह रिपीट हुए। पिछले दो चुनाव वे सपा के टिकट पर लड़े थे।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित
ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते हैं तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 अप्रैल 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

जनपद में विधान परिषद के सदस्य हेतु लगभग सौ प्रतिशत हुआ मतदान

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़।जनपद में उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य पद का लगभग सौ प्रतिशत मतदान हुआ।शांतिपूर्ण मतदान होने से प्रशासन ने राहत की साँस ली। जिलाधिकारी डॉ0नितिन बंसल ने पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के साथ मतदान केन्द्र जिला पंचायत व मतदान केन्द्र कार्यालय क्षेत्र पंचायत सदर, शिवगढ़, गौरा, लक्ष्मणपुर, मंगरौरा, बाबा बेलखरनाथधाम आदि का निरन्तर भ्रमण किया।जिले में शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पनन हुआ। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नामित सामान्य प्रेक्षक कंचन वर्मा ने भी मतदान केन्द्र पट्टी, गौरा, शिवगढ़, आसपुर देवसरा, मंगरौरा, लालगंज, बाबागंज आदि का भ्रमण कर मतदान को सम्पन्न कराने में अपनी भूमिका कि निर्वहन किया। जनपद के सभी मतदान केन्द्रों को 6 जोन में बॉटा गया था तथा पूरे जनपद को 02 सुपर जोन में विभाजित किया गया था जिसमें प्रथम सुपर जोनल मजिस्ट्रेट अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) मुकेश चन्द्र एवं द्वितीय सुपर जोनल मजिस्ट्रेट मुख्य राजस्व अधिकारी इन्द्र भूषण वर्मा ने मतदान केन्द्रों पर भ्रमणशील रहकर मतदान प्रक्रिया का जायजा लेते रहे। सभी जोनल मजिस्ट्रेट उपजिलाधिकारी अपने-अपने तहसील अन्तर्गत मतदान केन्द्रों पर भ्रमणशील रहे। सभी मतदान केन्द्रों पर सीसीटीवी लगाये गये थे तथा वीडियोग्राफी भी करायी गयी।माइक्रो आब्जर्वर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट मतदान केन्द्र पर उपस्थित रहकर मतदान को सकुशल सम्पनन कराये। उपजिलाधिकारी एस0एन0 यादव कन्ट्रोल रूम प्रभारी एवं सहायक के रूप में धर्मेन्द्र ओझा ने कन्ट्रोल रूम में प्राप्त होने वाली शिकायतों एवं मतदान के सम्बन्ध में सुनिश्चित निस्तारण किया गया। मतदान समाप्ति के बाद सुरक्षा बालों के साथ पीठासीन अधिकारियों ने अवशेष मतदान सामग्री एवं मतपेटिका को क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी में बने स्ट्रांग रूम में जमा कराया। जनपद में 2815 मतदाताओं के सापेक्ष 2794 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।इस तरह जनपद में मतदान का प्रतिशत 99.25 रहा जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक निरीक्षण के दौरान लक्ष्मणपुर मतदान केन्द्र जाते समय सड़क के किनारे दुर्घटनाग्रस्त हुये छात्र को देखा तो तुरन्त अपनी गाड़ी रूकवायी और घायल छात्र को पुलिस वाहन से ट्रामा सेन्टर लालगंज भेजवाया तथा निर्देशित किया कि घायल छात्र का समुचित इलाज कराया जाय।

मुख्यमंत्री के आदेश के बावजूद नही खाली कराई जा रही है सरकारी जमीन

बारा खास में सरकारी बांध पर बने है बेशकीमती मकान

(आधुनिक समाचार सेवा)

शंकरगढ़ (प्रयागराज)।एक तरफ उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ सरकारी जमीनों पर कब्जा करने बालो के ऊपर सख्त कानूनी कार्रवाई करके जमीनों को खाली कराने का आदेश दे रहे है और जनपदों में इसका असर भी हो रहा है किंतु प्रयागराज के बारा तहसील में इस आदेश का कोई मायने नही रखता यहां तहसील के अधिकारी अवैध रूप से तालाबो पोखरों बांधो पर कब्जा करने की खुली छूट दे दिया है । बताते चले कि बारा तहसील बारा खास जनपद प्रयागराज के तहसील मुख्यालय पर राजस्व अभिलेख में भूमि संख्या 89 भीटा ,90 तालाब , 91 यन जेड ए,92 बांध, 93 बांध ,94 बांध तथा 95 यन जेड ए तथा 96 मि यन जेड ए आज भी दर्ज है। जमींदारी उन्मूलन के पूर्व बारा में जल संग्रहण के लिए बांध का निर्माण किया गया था जो आज भी यथा स्थिति बरकरार है किन्तु बारा में राष्ट्रीय राजमार्ग बाँदा रोड की किनारे की बेशकीमती जमीन राजस्व अधिकारियो की लापरवाही तथा उदासीनता के चलते पूरी जमीन जो राष्ट्रीय राजमार्ग बाँदा प्रयागराज पर स्थित है उस पर अधिकारियो की लापरवाही से कब्जा कर ली गयी तथा उसमें कीमती मकान्त का निर्माण कर लिया गया अब वह बांध था अब कीमती मकान में तब्दील हो गए है । इसकी शिकायत तहसील प्रशासन में कई गयी तो इसमे जांच के बाद मुकदमा भी चला यही नही 122 बी की कार्यवाही भी की गई थी जुर्माने की फाइल भी राजस्व विभाग के मिली मिलीभगत गायब कर दी गयी है । ये तो केवल वानगी है बारा खास सहित कई गांव में तालाब बांध पर कब्जा अब भी किया जा रहा है किंतु राजस्व विभाग अपनी जेब भरने में लगे है इनको मुख्यमंत्री के आदेश से कुछ लेना देना नही है। अब बात जो भी हो यह तो तहसील के राजस्व अधिकारी ही जाने किन्तु योगी आदित्यनाथ के आदेश को यह तहसील मुख्यालय पर बांध पर बने बेसकीमती मकान चिढा रहे है गांव के लोगो की भी इक्षा है कि बांध खाली हो किन्तु इन दबंगो तथा तहसील के अधिकारियो के भय से कुछ नही बोल पा रहे है। ग्रामीणों बुद्धिजीवियो ने बांध पर बने अवैध बेसकीमती मकानों को ध्वस्त करने तथा दोषी राजस्व अधिकारियो के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा जिलाधिकारी प्रयागराज से मांग किया है।

नवरात्रि के शुभ अवसर पर मिलिए उत्तराखण्ड पुलिस में तैनात इन कॉप सिस्टर्स से, जो बेटियों को कभी भी हार न मानने और आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रही हैं

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। भारतीय सेना से रिटायर्ड पिता की चारों बेटियां उत्तराखण्ड पुलिस की शान हैं। वर्तमान में जानकी बोरा नरेंद्रनगर में हेड कांस्टेबल की ट्रैनिंग ले रही हैं। अंजलि भंडारी पीएसी में हेड कांस्टेबल है। वहीं कुमकुम धानिक डीआइजी रेंज कार्यालय हल्द्वानी में व गोल्डी घुघत्याल ऊधमसिंह नगर में उपनिरीक्षक के पद पर तैनात हैं। खाकी वर्दी वाली ये चारों बहनें महिला सशक्तिकरण का बेहतरीन उदाहरण पेश कर रही हैं।

स्मार्ट फोन पाकर छात्र छात्राएं के चेहरे खिल उठे

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश यादव

हरहुआ (वाराणसी)।हरहुआ क्षेत्र के गहनी स्थित सरस्वती उच्च शिक्षा एवम तकनीकी सनतकोत्तर महाविद्यालय 640 छात्र -छात्राओं में निःशुल्क स्मार्टफोन वितरित करते हुए पूर्व मंत्री वीरेंद्र सिंह ने कहा कि इसका उपयोग ज्ञानवर्धन के लिए करते हुए छात्र -छात्राएं सर्वांगीण विकास कर ऊंचाइयां हासिल करें। सरकार की परिकल्पना है कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो। सभागार में कुल 640 सनतक बीए,बीकॉम तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं में वितरित किया गया। स्वागत उद्बोधन प्राचार्य डॉ0 सन्तोष कुमार सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के निदेशक नवीन कुमार सिंह ,डॉ0 संजीव सिंह, डॉ0 नरेंद्र श्रीवास्तव, अरविंद सिंह, डॉ0 धीरेंद्र कुमार तिवारी,डॉ0 पुष्पा मिश्रा, डॉ0 ज्ञानती सिंह, डॉ0 कुसुमलता समेत कई शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन नोडल अधिकारी डॉ0 सीमांत प्रियदर्शी ने किया।

शुरू की जाएगी कारीगर प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी विनोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि परंपरागत कारीगर योजना प्रारंभ करके गाँव में रोजगार का सृजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उद्योग स्थापित कर स्वयं का रोजगार उत्पनन करने एवं ग्रामीण क्षेत्र से शहर की ओर शहरी पलायन को रोकने हेतु शासन की मंशा के अनुरूप उ0प्र0खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना का संचालन किया जा रहा है। ऐसे शिक्षित बेरोजगार नवयुवक/परम्परागत कारीगर जो गाँव में उद्योग स्थापित करना चाहते हैं उनको बैंकों के माध्यम से अधिकतम रूपये 25 लाख तक की परियोजना लागत का ऋण उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। योजनान्तर्गत सामान्य वर्ग को 25 प्रतिशत एवं आरक्षित वर्ग (अनु0जाति, अनु0जनजाति, पि0जाति, अल्पसंख्यक, विकलांग, भू0पू0 सैनिक एवं महिला) को 35 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराया जायेगा। योजना पं0 दीनदयाल ग्रामोद्योग रोजगार योजना से भी आच्छादित है जिसके अन्तर्गत मार्जिनमनी अनुदान एवं स्वयं का अंशदान घटाते हुये अवशेष ऋण धनराशि पर ब्याज की समस्त धनराशित तीन वर्ष की अवधि तक जिला ग्रामोद्योग विभाग के माध्यम से भुगतान किये जाने का प्राविधान किया गया है। विशेष जानकारी के लिये कार्यालय जिला ग्रामोद्योग अधिकारी उ0प्र0 तथा ग्रामोद्योग बोर्ड प्रतापगढ़ निकट रोडवेज बस स्टैण्ड सिविल लाइन में किसी भी कार्यालय कार्य दिवस में आकर प्राप्त कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र आनलाइन के एजेन्सी केवीआईबी पर अपलोड करा सकते है।

जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने इलाहाबाद स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन-2022 के दृष्टिगत तैयारियों का जायजा लेने के लिए मतदेय स्थल क्षेत्र पंचायत कार्यालय कौड़िहार का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अजय कुमार शुक्रवार को इलाहाबाद स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन-2022 को सकुशल रूप से सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत मतदेय स्थल क्षेत्र पंचायत कार्यालय कौड़िहार का निरीक्षण करते हुए तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने मतदेय स्थल पर सुरक्षा के दृष्टिगत बैरिकेटिंग, सीसीटीवी कैमरा, जनरेटर सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थायें कराने के निर्देश दिये। उन्होंने मतदान स्थल पर मतदाता की चेकिंग के बाद ही प्रवेश कराने के निर्देश दिये है। जिलाधिकारी ने मतदान केन्द्र पर गर्मी के मौसम को देखते हुए पानी की उचित व्यवस्था रखने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने मतदान प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराये जाने के लिए भी कहा है। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सोरांव ज्योति मौर्या सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गैस एजेंसी में चोरी होने से बची

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। फूलपुर मुबारकपुर रोड पर मैलहन पेट्रोल पंप के सामने गुप्ता गैस एजेंसी में बीती रात 10 बजे गोदाम के अंदर घुस कर ताला तोड़ते समय राजकुमार उर्फ बबलू गुप्ता का चौकीदार सो गया था ठीक उसी समय खेत में शौच हेतु गया बबलू विद्युत कर्मी को खट खट की आवाज मिली उसने तुरंत शोर मचाया। तो आसपास के दुकानदार दौड़ कर आये। जिससे एक बड़ी घटना होने से बच गई। लोगों के मुंह से बस यही सुनने को मिल रहा है। कि बबलू की गोदाम में बड़ी चोरी होने से बबलू ने ही बचा लिया।

उपस्थित प्रमाणित होने पर ही दी जाएगी छात्रवृत्ति

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़।जिला समाज कल्याण अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि दशमोत्तर कक्षाओं के छात्र-छात्राओं को उपस्थिति के आधार छात्रवृत्ति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि जिनकी उपस्थिति बायोमेट्रिक द्वारा प्रमाणित होगी उन छात्र -छात्राओं को 75ज्ञ उपस्थिति के आधार पर उन्हें छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक से 10 दिनों के अंदर प्रमाणित उपस्थिति प्रस्तुत करने को कहा है।

कुल 18 मतदान केन्द्रों पर होंगे मतदान,मतदान दल हुए रवाना.....

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़।स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र प्रतापगढ़ में उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य पद के मतदान कराने हेतु क्षेत्रीय ग्राम विकास संस्थान अफीम कोठी से मतदान पार्टी रवाना की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि सभी 18 मतदान केंद्रों पर राजपत्रित अधिकारी एवं पीठासीन अधिकारी के रूप में तैनात किए गए हैं।इसी दौरान सभी मतदान पार्टियों के साथ सुरक्षा बल भी रवाना किए गए।जिलाधिकारी ने सभी को निर्देशित करते हुए कहा कि आयोग के दिशा निर्देशों के अनुसार निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव कराए जाएं इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही व शिथिलता न बरती जाए अन्यथा की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मतदान केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।सभी मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है तथा वीडियोग्राफी एवं माइक्रो ऑब्जर्वर की तैनाती की गई है। स्टैटिक मजिस्ट्रेट निरंतर मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहकर निष्पक्ष एवं सकुशल मतदान कराने हेतु उत्तरदायित्व होंगे। जिलाधिकारी डॉ नितिन बंसल, पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल, मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व) एवं माइक्रो ऑब्जर्वर उपस्थित रहकर निरंतर पाटिर्यों को दिशा निर्देश देते रहे।

इलाहाबाद स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन-2022 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत पोलिंग पार्टी रवाना

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री शुक्रवार को इलाहाबाद स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन-2022 को सकुशल रूप से सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत कलेक्टेड्ट से पोलिंग पार्टियों को रवाना किया। जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिये है कि निर्वाचन आयोग के गाइड लाइन का पालन सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदेय स्थलों पर सुरक्षा का व्यापक इंतजाम किया गया है तथा प्रत्येक मतदेय स्थल के गेट पर ही मतदाता की जांच कर ली जाये। उन्होंने निर्वाचन की प्रक्रिया को सकुशल एवं निष्पक्ष कराये जाने के निर्देश दिये हैं। इस अवसर पर एडीएम प्रशासन श्री हर्षदेव पाण्डेय सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

थरवई निवासी फतेहगढ़ थाने में नियुक्त दरोगा की मौत, सीओ ने दिया गार्ड आफ ऑनर

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। थरवई थाने के जयंतीपुर गांव निवासी लाल जी प्रजापति उम्र 58 वर्ष पुत्र स्वर्गीय हीरालाल प्रजापति जो दरोगा के पद पर जनपद फर्रुखाबाद के थाना फतेहगढ़ में तैनात थे। ड्यूटी पर अचानक उनकी तबीयत खराब हुई इलाज हेतु जनपद अस्पताल तत्पश्चात मेदांता लखनऊ ले जाया गया। परंतु उनको बचाया नहीं जा सका। मृतक दरोगा को 4 बेटियां दो बेटे हैं। शव घर आया तो कोहराम मच गया। बृहस्पतिवार दोपहर बाद दरोगा लाल जी प्रजापति के शव को अंतिम संस्कार हेतु फाफामऊ घाट ले जाया गया। जहां सीओ फूलपुर राम सागर तथा थानाध्यक्ष थरवई योगेश प्रताप सिंह द्वारा राजकीय सम्मान के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी गई। इस अवसर पर थाना थरवई के स्टाफ के अलावा भारी संख्या में ग्रामीण तथा निकट संबंधी मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत देवरा में दिनेश यादव के खेत में लगी आग 4 से 5 एकड़ खेत का गेहूं जलकर हुआ राख

(आधुनिक समाचार सेवा)

ग्राम पंचायत देवरा में अज्ञात कारणों से दिनेश यादव के खेत में आज दोपहर 1 बजे आग लग जाने पर 4 से 5 एकड़ खेत का गेहूं जलकर हुआ राख मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों के द्वारा और फायर ब्रिगेड द्वारा आग पर काबू पाया गया।

एमएलसी चुनाव कल, निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिए पोलिंग पार्टी रवाना

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। एमएलसी चुनाव-2022 सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए शुक्रवार कलेक्ट्रेट से पोलिंग पार्टियों रवाना हुई। मतदान के लिए प्रयागराज व कौशांबी में कुल 33 बूथ यानी मतदान केंद्र बनाए गए हैं। प्रयागराज और कौशांबी जनपद के 5102 जनप्रतिनिधि हैं जो एमएलसी चुनाव में मतदान करेंगे। जबकि चुनाव लड़ने वालों में पांच प्रत्याशी हैं। इसमें भाजपा के प्रत्याशी के रूप में केपी श्रीवास्तव तो सपा के वासुदेव यादव मैदान में हैं। तीन निर्दल प्रत्याशी भी हैं जो एमएलसी का चुनाव लड़ रहे हैं। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने शुक्रवार को पोलिंग पार्टियों को रवाना करते हुए सख्त निर्देश दिये है कि निर्वाचन आयोग के गाइड लाइन का पालन सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदेय स्थलों पर सुरक्षा का व्यापक इंतजाम किया गया है। प्रत्येक मतदेय स्थल के गेट पर ही मतदाता की जांच कर ली जाये। उन्होंने निर्वाचन की प्रक्रिया को सकुशल एवं निष्पक्ष कराये जाने के निर्देश दिये हैं। इस अवसर पर एडीएम प्रशासन श्री हर्षदेव पाण्डेय सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अशोका अष्टमी के मंगल अवसर पर मौर्य साम्राज्य के तीसरे महान सम्राट अशोक महान का धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया गया अवतरण दिवस

(आधुनिक समाचार सेवा)
बृजेश कुमार सिंह

सोनभद्र। यूं तो भारतवर्ष में अनेकों राजा ने राज किया लेकिन अखण्ड भारत के संरक्षक चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान का जन्म ईसा पूर्व

304 में पाटलिपुत्र (इस समय का पटना बिहार) में हुआ था। इनका शासनकाल बहुत ही स्वर्णिम काल माना जाता है। इनके शासनकाल में पूरा भारत शांतिमय था। इन्हीं का दिया हुआ आज भी देश का राष्ट्रीय चिह्न अशोक स्तंभ है तथा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा में स्थित चक्र अशोक स्तंभ से ही लिया गया है। सम्राट अशोक महान मौर्य वंश के तीसरे शासक थे इन्हीं के शासनकाल में इन्हीं के शासनकाल में भारतवर्ष को सोने की चिड़िया कहा जाता था। उन्हीं को याद करते हुए आज समस्त भारतवर्ष में चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान का अवतरण दिवस बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इसी कड़ी में अखंड भारत चैरिटेबल ट्रस्ट के केंद्रीय कार्यालय पर चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान का अवतरण दिवस मनाया गया। इस दौरान अखण्ड भारत चैरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह मौर्य ने लोगों को संबोधित करते हुए अपील किए कि चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान को अपना आदर्श मानते हुए उनके बताए मार्गों पर चलें। इस दौरान प्रताप नारायण सिंह, निष्पक्ष चैरिटेबल ट्रस्ट अनिल कुशवाहा, अरविंद कुशवाहा, अतुल कुमार मौर्य, सिद्धांत वर्धन सिंह, रविन्द्र कुमार मौर्य, बृजेश कुमार सिंह सहित संस्था की पूरी टीम उपस्थित रहीं। इसी कड़ी में जनपद सोनभद्र के गौरहीं गांव में डाक्टर रामजनम कुशवाहा के नेतृत्व में प्रियदर्शी सम्राट अशोक महान की जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान डॉ रामजनम कुशवाहा, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि गौरहीं कौशल जी, डॉ राजनरायन मौर्य, कन्हैयालाल सिंह, डॉ देवमूनी सिंह, सुनिल जी, मुनन लाल सिंह, रामकेश पनिका, बुद्धिराम मौर्य सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

हरदुआगंज की सातवीं इकाई कोयले की कमी से बंद

ओबरा (सोनभद्र)। बिजली की बढ़ती मांग के बीच कोयले की कमी भी सामने आने लगी है। कोयले की कमी के कारण हरदुआगंज की 105 मेगावाट वाली सातवीं इकाई को बंद करनी पड़ी है। हालांकि हरदुआगंज परियोजना के कोयला

खदानों से दूर पड़ने के कारण इसकी बिजली लागत पांच रूपये प्रति यूनिट से ज्यादा हो गयी है। पिछले माह यहां की बिजली लागत 5.59 रुपये प्रति यूनिट तक पहुंच गई है। उधर पिछले वर्ष सितंबर और अक्टूबर माह में पैदा हुए कोयला संकट के कारण इस बार ऊर्जा विभाग पहले से सतर्क हो गया है। प्रदेश के नए ऊर्जामंत्री अरविद शर्मा के प्रयासों से कोयले के बकाया भुगतान के साथ आपूर्ति बढ़ाने के प्रयास शुरू हो गए है। ऊर्जामंत्री ने कोयले की आपूर्ति को लेकर भारत सरकार के कोयला सचिव एवं कोयले की ढुलाई बढ़ाने के लिए रेल मंत्री से चर्चा की है। जिससे भारत सरकार के संबंधित मंत्रालयों के मंत्रियों द्वारा कोयला आपूर्ति एवं रेल की रैक बढ़ाए जाने का आश्वासन दिया गया है। ऊर्जामंत्री की पहल पर पूर्व में आवंटित प्रतिदिन साढ़े आठ रैक कोयला आपूर्ति को बढ़ाकर 12 रैक किया जा रहा है। डेढ़ गुना ज्यादा कोयला राज्य की बिजली कम्पनियों को उपलब्ध होने से कोयला संकट की स्थिति नहीं पैदा होगी। अभियंता संघ के केंद्रीय पदाधिकारी इ. अदालत वर्मा ने ऊर्जा मंत्री के पहल का स्वागत करते हुए बताया कि संगठन द्वारा ऊर्जामंत्री सहित अपर मुख्य सचिव (ऊर्जा) के समक्ष इस मामले को उठाया गया था। आपात कटौती शुरू प्रदेश में बिजली की बढ़ती मांग के बीच आपात कटौती का दौर शुरू हो गया है। पिछले दो दिनों से लगातार आपात कटौती करनी पड़ी है। पीक आवर के दौरान बीते सात अप्रैल को 770 मेगावाट तथा आठ अप्रैल को 600 मेगावाट की कटौती करनी पड़ी है। शुक्रवार पीक आवर के दौरान बिजली की अधिकतम प्रतिबंधित मांग 413.56 मिलियन यूनिट तक पहुंच गई। अप्रैल माह में यह अभी तक की अधिकतम मांग है। तापमान में लगातार हो रही वृद्धि के कारण मांग लगातार बढ़ती जा रही है। दिन में छह घंटे से ज्यादा समय तक 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान रह रहा है।

आग लगने से 12 बीघे गेहूं की फसल जली

सोनभद्र। जिले के विभिनन क्षेत्रों में अगलगी की घटनाएं जारी हैं। शनिवार को घोरावल ब्लाक के उचका ग्राम पंचायत के नौडीहा गांव में शार्ट सर्किट से आग लग गई। इससे शिव प्रसाद पुत्र छविनाथ की एक बीघे गेहूं की फसल गई गई। उधर नगवां ब्लाक क्षेत्र के कम्हरिया गांव में शनिवार को आग लगने से 10 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। कम्हरिया के किसान कृष्ण कुमार, रामबृक्ष, उमाशंकर, लक्ष्मण, गुरुशंकर, झारखंडी आदि ने बताया कि अचानक आग लगी और विकराल रुप धारण कर लिया। आग बुझाने के लिए सबमर्सिबल चलाया गया तब किसी तरह से आग पर काबू पाया जा सका। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि चार कोठी बांस भी आग के लपेटे में आ गया है। वह भी जल गया है। आग लगने की सूचना क्षेत्रीय लेखपाल को भी दे दिया गया है। बीजपुरः जैसे-जैसे तापमान में बढ़ोतरी होती जा रही है, जंगलों में आग अपना भयानक रूप दिखा रही है। जंगलों की आग का रिहायशी इलाकों तक बढ़ने का खतरा उत्पनन हो गया है। शनिवार को जंगल की आग ने रौद्र रूप अख्तियार कर अंजानी गांव के बकरिहवा में जमकर तांडव मचाया। अगलगी में राजबली पुत्र विश्वनाथ गौड़ खेत मे करीब एक बीघा गेंहू जलकर राख हो गयी, वही घरों के आसपास रखी जलावनी लकड़ी जल गयी। जगेसर पुत्र कतवारू के खेत मे लगे बांस के पेड़ भी जल कर राख हो गए। बताते चलें कि विगत एक सप्ताह में जंगल की आग से खेत खलिहानों में जबरदस्त नुकसान हुआ है। वहीं आग का रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ने का खतरा उत्पन्न हो गया।

पानी की तलाश में गांव में पहुंचा चीतल

मधुपुर (सोनभद्र)। सुकृत के जंगल से सटे धौठवा गांव में शनिवार को एक चीतल पानी की तलाश में भटकर कर आ गया। इस दौरान गांव के कुत्तों ने उस पर हमला करने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीणों की सजगता से चीतल को बचा लिया गया। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने चीतल को पकड़ कर जंगल में ले जाकर छोड़ दिया।

फर्जी फाइनेंस कंपनी के नुमाइंदे लोन का झांसा दे लाखों लेकर फरार

दुद्धी (सोनभद्र)। कथित फाइनेंस कंपनी के नुमाइंदो ने दुद्धी एवं विढमगंज थाना क्षेत्र के दर्जन भर से अधिक गांवों में महिलाओं को समूह लोन देने के नाम पर लाखों की ठगी कर फरार हो गए। शुक्रवार

की देर शाम ठगी का खुलासा होते ही शिकार हुई सैकड़ो महिलाओं में हड़कंप मच गया। शनिवार को तड़के तहसील मुख्यालय जुटी धोखाधड़ी की शिकार महिलाओं ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर जालसाजों के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई है। पीड़ित महिलाओं ने बताया कि एसएमवीडीके निधि लिमिटेड नामक कंपनी का शाखा कार्यालय दुद्धी के रामनगर इलाके में खोले जाने का झांसा दिया। कथित कंपनी के आरोपित शाखा प्रबंधक आशीष राय, शुभम श्रीवास्तव ने दुद्धी ब्लाक के जोरुखाड़, घीवहीं, केवाल, फुलवार, अमवार, बघाडू, हरपुरा, गोइठा, बरखोहरा, छतरपुर, धोरपा, बैरखड़, कुदरी सहित अन्य कई गांव में महिलाओं के साथ बैठक कर सप्ताह भर के अंदर महिलाओं का समूह गठित किया। इसके बाद कंपनी द्वारा दिए जाने वाले लोक लुभावन लाभों की फेहरिस्त बताकर समूह से जुड़ी महिलाओं को झांसे में लिया। कथित कंपनी में पंजीयन कराने के लिए अंशदान के रूप में 23 सौ से लेकर 26 सौ रूपये प्रति महिला से वसूली कर उनके खाते में लोन की पचास हजार से लेकर एक लाख रूपये भेजने की बात कह कर बुधवार एवं गुरुवार को तहसील मुख्यालय पर फर्जी तरीके से खोले गये दफ्तर पर अलग अलग समूह की महिलाओं को बुलाया गया। इस बीच जालसाजों ने रामनगर मोहल्ले में स्थित एक भवन स्वामी को भी अच्छा किराया एवं एडवांस रकम देने की बात लेकर झांसे में लेते हुए बताया कि आगामी सोमवार को कंपनी के बड़े अधिकारी आकर एग्रीमेंट करेंगे। ग्रामीण महिलाओं के साथ बैठक करने के नाम पर वह मकान पर कंपनी का बैनर लगाकर गांव से आई महिलाओं के साथ बैठक भी किया। शुक्रवार को जब कुछ लोग उसके कथित दफ्तर पर पहुंचे, तो वहां पूरे दिन ताला लटका मिला। आरोपितों का मोबाइल स्विच भी आफ बता रहा था। देर शाम तक इंतजार करने के बाद जब लोगों ने भवन स्वामी से संपर्क साधा तो वह भी हैरत में पड़ा। काफी खोजबीन करने के बाद जब कथित युवकों का कोई अता पता नही चला, तब जाकर लोगों को ठगी का एहसास हुआ। रात में ही उन्होंने सभी समूहों से संपर्क साधना शुरू किया। शनिवार को तड़के लोगों का हुजूम पहले कथित दफ्तर पर पहुंच हंगामा मचाना शुरू किया। इस बीच भनक लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस को महिलाओं ने आपबीती सुना कर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई। मामले की जांच कर रहे उपनिरीक्षक विमलेश सिंह ने बताया कि प्रकरण उनके संज्ञान में आया है। पीड़ितों ने अपने घर पर ही आरोपितों को रुपया दिया है। यहां उसका कोई दफ्तर अभी तक संज्ञान में नहीं आया है। आरोपितों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

अल्युमिनियम उत्पादन के साथ खेलों को भी बढ़ावा देता है हिडाल्को

रेणुकूट (सोनभद्र)। हिडाल्को जहां विश्व स्तरीय उच्च गुणवत्ता का अल्युमिनियम उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है वहीं यहां के खिलाड़ी भी विभिन्न खेलों में अपना परचम फहराते हुए देश-विदेश में अपनी धाक जमा रहे हैं। शनिवार को हिडाल्को स्टाफ क्लब प्रांगण में हिडाल्को क्लस्टर के सीओओ एन. नागेश ने विधिवत पूजन करके, फीता काटकर नवनिर्मित टेबल टेनिस व लान टेनिस कोर्ट का उद्घाटन किया। यहां नागेश ने कहा कि हिडाल्को प्रबंधन का उद्देश्य सिर्फ उच्च गुणवत्ता युक्त अल्युमिनियम ही उत्पादित करना नही है, बल्कि यहां के खिलाड़ियों को अच्छी सुविधा व कोच उपलब्ध कराकर खेलों को बढ़ावा देना भी है। उन्होंने कहा कि खेल से जहां हमें शारीरिक एवं मानसिक शक्ति मिलती है, वहीं हमें अच्छा स्वास्थ्य तथा भाईचारे को बढ़ावा देने की प्रेरणा भी मिलता है। इस अवसर पर नागेश सहित रिडक्शन प्लांट प्रमुख जगननथ नायक, फैब्रिकेशन प्लांट हेड बीजे अलेक्जेंडर, प्रोजेक्ट हेड विनोद ठाकुर, हिडाल्को अस्पताल के सीएमओ डा. भास्कर दत्ता, लेखा विभाग के प्रमुख उज्जवल केश, सुरक्षा प्रमुख सेवानिवृत्त कर्नल संदीप खनन, ईआर हेड परनीत सिंह, निखिल आदि ने टेबल टेनिस व लान टेनिस में हाथ आजमाते हुए बहुत ही रोचक खेल का प्रदर्शन किया।

14 लाख रुपये से हो रहा घटिया सीसी रोड का निर्माण

बीजपुर (सोनभद्र)। ग्रामीण अंचल में सरकार द्वारा विभिनन विभाग से विकास कार्य तो कराए जा रहे हैं, लेकिन मुख्यालय से करीब 125 किमी दूर आदिवासी बाहुल्य इलाकों में विकास कार्य

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाते हैं। ताजा उदाहरण म्योरपुर ब्लाक के नेमना गांव में जिला पंचायत कोटे से बनवाई जा रही 300 मीटर आरसीसी रोड है। करीब 14 लाख की लागत निर्माणाधीन इस रोड में मानक की अनदेखी की जा रही है। रोड एक बारिश भी ढंग से नही झेल पाएगी। सीसी रोड में लोकल नदी नालों से तोड़वाकर गिट्टी बिछा उस पर खाना पूर्ति के लिए वहीं से मिट्टी डाल कर वहीं लोकल नदी नालों से अवैध खनन कर मानक के विपरीत बालू डाला जा रहा है। इसको लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों ने बताया कि सीसी रोड में घटिया किस्म की सामग्री प्रयोग एवं मानक के विपरीत बन रहा। रोड आखिर कितने दिन चलेगा। ग्राम प्रधान हीरामणि गुर्जर ने बताया कि उन्होंने कई बार ठेकेदार से अच्छी सड़क बनवाने के लिए कहा लेकिन ठेकेदार ने एक भी नही सुनी। मनमर्जी करते हुए घटिया सामग्री का प्रयोग कर सीसी रोड बनाने के नाम पर खाना पूर्ति कर रहा है जिसकी शिकायत उच्चाधिकारियों से की जाएगी। वहीं जिला पंचायत से ही डोडहर गांव में भी करीब एक किमी लंबी सड़क बनवाई जा रही है, जिसमें भी अवैध खनन कर घटिया गिट्टी का प्रयोग किया जा रहा था। इसको डोडहर ग्राम प्रधान ने काम रुकवा दिया। ग्राम प्रधान का कहना था कि गांव में अच्छी सड़क बनवाई जाए। जिस तरीके से सड़क में घटिया सामग्री लगाई जा रही है, वो सड़क कुछ दिन ही चल पाएगी। जिला पंचायत सदस्य रामविचार गौड़ ने बताया कि क्षेत्र में जिला पंचायत से हो रहे विकास कायी में कतई लापरवाही नही बरतने दी जाएगी। यदि कहीं विकास कायी में भ्रष्टाचार मिला तो उसकी जांच करा कर कड़ी कार्यवाही करायी जाएगी। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट करा कर बन रहे घटिया रोड की जांच करा कर तत्काल सरकारी पैसों का दुरुपयोग रुकवाए जाने एवं गांव में एक अच्छी सड़क बनवाए जाने की मांग की है।

ब्लास्टिग कोयला खनन उद्योग की बुनियादी आवश्यकता

अनपरा (सोनभद्र)। एनसीएल मुख्यालय वेज सीईटीआइ प्रांगण में स्थित एमडीआइ भवन में शनिवार को खदानों में होने वाली ब्लास्टिग से बेहतर विखंडन परिणाम प्राप्त करने, ब्लास्टिग की लागत को कम करने, पाउडर फैक्टर नियंत्रण तथा ब्लास्टिग की आधुनिक व प्रभावी तकनीक आदि विषयों पर छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण का समापन किया गया। मुख्य अतिथि एनसीएल के सीएमडी भोला सिंह ने सभी प्रतिभागियों को अपने लंबे अनुभव के आधार पर ब्लास्टिग की बारीकियों व तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया। कहा कि सही तरह से की गई ब्लास्टिग से खदान में मशीनों की सुरक्षा व उत्पादकता, उत्पादन की लागत, कोयले की गुणवत्ता, पर्यावरण की संरक्षा, प्रतिस्पर्धात्मकता तथा लाभप्रदता तय होती है। निदेशक डा. अनिद्य सिन्हा ने सुरक्षित, गुणवत्ता पूर्ण व प्रभावी ब्लास्टिग तकनीकों पर विस्तृत व्याख्यान दिया। निदेशक राम नारायण दुबे ने ब्लास्टिग से संबंधित वित्तीय पहलुओं पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण में एनसीएल के 100 फ्रंटलाइन ब्लास्टिग अधिकारी और ओवरमैन को तीन अलग-अलग बैचों में प्रशिक्षण दिया गया। ब्लास्टिग विषय के विशेषज्ञ जीके प्रधान, डीन, इंजीनियरिग और प्रौद्योगिकी संकाय, एकेएस विश्वविद्यालय, सतना, एमपी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण संपन्न हुआ। अतिथियों का स्वागत महाप्रबंधक (एचआरडी) दिनेश मिश्रा एवं धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक (उत्पादन) एलपी गोडसे ने किया।

ज्वालादेवी मंदिर की गुफा का मिट रहा अस्तित्व

शक्तिनगर (सोनभद्र)। शक्तिपीठ ज्वालादेवी मंदिर के सामने हेलीपैड मार्ग के समीप प्राचीन गुफा कई रहस्यों को समाहित किए हुए है। ऐसी मान्यता है कि गुफा से निकलने वाले जल के प्रयोग से उदर एवं चर्म रोग से मुक्ति मिलती है। गुफा के पवित्र जल से धार्मिक

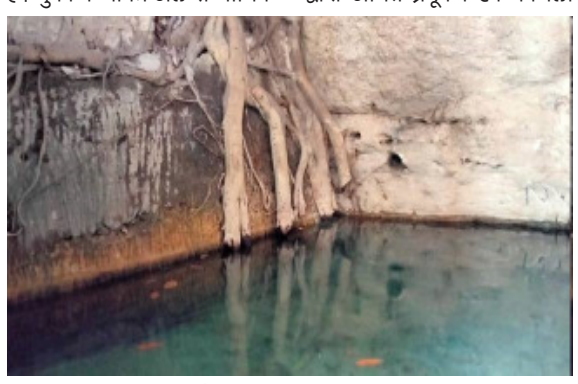

अनुष्ठान भी किए जाते हैं। बुजुर्गो ने बताया कि प्राचीन गुफा का एक मुख पूर्व में सिगरौली स्टेट के गहरवार राजधानी किले में जाकर खुलता था। जो अब गहरवार गांव रिहंद बांध में जल समाहित हो गया है। बताया जाता है कि जब प्राचीन काल में सूर्य उदय होता था तो गुफा के मुख पर अंधेरा छा जाता था। जैसे ही सूर्य अस्त होने का समय होता था तो गुफा के अंदर काफी दूर तक तेज प्रकाश और चमक फैल जाती थी। गुफा का मुख मां ज्वालामुखी मंदिर के ठीक सामने पश्चिम दिशा में है। परियोजनाओं द्वारा जनित प्रदूषण एवं कोयला खदानों द्वारा किए जाने वाली ब्लास्टिग से गुफा का मुख दब गया है। मंदिर के पुजारी परिवार द्वारा बताया गया कि गुफा के आसपास बड़े पैमाने पर अतिक्रमण व अवैध कब्जा से गुफा का अस्तित्व समाप्त हो रहा है। गुफा के संरक्षण किए जाने की आवश्यकता है।

मां विध्यवासिनी के आंगन से लेकर गंगा तट तक आस्था की हिलारें

मीरजापुर। चैत्र नवरात्र की अष्टमी तिथि पर महागौरी स्वरूप मां विध्यवासिनी का दर्शन-पूजन कर श्रद्धालु निहाल हो गए। भक्ति में लीन कतारबद्ध श्रद्धालु मां का जयकारा लगाते चल रहे थे। श्रद्धा के उद्घोष से गंगा की लहरों में भी जोश आ गया। गंगा तट पर सननाथिर्यों ने आस्था की डुबकी लगाई और मां विध्यवासिनी के दर्शन के लिए मंदिर की ओर बढ़ चले। मंगला आरती के बाद जैसे ही मंदिर का कपाट खुला घंटा-घड़ियाल, शंख-नगाड़ा व मां विध्यवासिनी के जयकारे से विध्यधाम गुंजायमान हो उठा। मां विध्यवासिनी के दिव्य व भव्य स्वरूप के दर्शन के लिए दूर-दराज से आए भक्त रात से ही नारियल, चुनरी, माला-फूल प्रसाद के साथ कतारबद्ध हो गए थे। भक्ति में लीन श्रद्धालुओं ने मां का दीदार कर सुख-समृद्धि-शांति का आशीष मांगा। महाअष्टमी पर अन्य दिनों की अपेक्षा भीड़ अधिक थी। सूरज की तपिश से बचाव के लिए टेंट लगाकर छांव की व्यवस्था की गई थी। पैरों की जलन से भक्तों को राहत देने के लिए बिछी मैटी पर पानी का छिड़काव किया गया था। भीड़ को नियंत्रित करने के

लिए पुलिसकर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। मंदिर पर भीड़ बढ़ने पर विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं को रोकना पड़ा। भीड़ सामान्य होने पर बारी-बारी से श्रद्धालुओं को मंदिर की ओर रवाना किया गया। भक्तों की कतार, विध्य पर्वत गुलजार मां विध्यवासिनी का दर्शन करने के बाद श्रद्धालु विध्य पर्वत पर विराजमान मां काली व मां अष्टभुजा का दर्शन करने निकल पड़े। अष्टभुजा व कालीखोह मंदिर में दर्शन-पूजन करने के बाद श्रद्धालु त्रिकोण परिक्रमा करने में जुट गए। अष्टमी के दिन विध्य पर्वत गुलजार दिखा। कालीखोह मंदिर से अष्टभुजा मंदिर होकर तारा मंदिर जाने वाले मार्ग पर पूरे दिन भक्तों की टोली दिखी। वर्चुअल माध्यम से भी पूजा चैत्र नवरात्र की अष्टमी पर शनिवार को महागौरी की पूजा की गई। शुक्रवार की देर रात सप्तमी पर तांत्रिकों ने निशा पूजा की। इस दौरान देश-प्रदेश के इलाकों से वर्चुअल माध्यम से पूजा कराया गया। आज घर-घर होगा कन्या पूजन नवमी के दिन यानी आज घर-घर कन्या पूजन होगा। हवन के बाद नवरात्र अनुष्ठान की पूर्णाहुति होगी। भक्त कन्याओं के पांव अपने हाथ से पखारेंगे। भोजन कराएंगे और दक्षिणा देकर सभी को विदा करेंगे। दुःख, दरिद्रता और शत्रु नाश के लिए कन्या पूजन सर्वोत्तम माना गया है। यह कोई आवश्यक नहीं कि नौ कन्याओं का ही पूजन किया जाए, एक कन्या का पूजन भी उतना फलदायक होता है जितनी नौ कन्याओं का।

कैसी होगी दिल्ली और कोलकाता के बीच टक्कर में टीमों की प्लेइंग इलेवन, किसे मिलेगी जगह

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में रविवार दोपहर एक जोरदार मुकाबले की उम्मीद है। मुकाबले के जोरदार होने के पीछे की वजह दोनों टीम के कप्तान माने जा रहे हैं। कोलकाता और

दिल्ली के बीच होने वाले मैच में श्रेयस अय्यर और रिषभ पंत की टक्कर होगी। श्रेयस पहले दिल्ली के कप्तान थे जिनके चोटिल होने पर पंत को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गई थी। चोट के वापसी पर भी मैनेजमेंट ने पंत को कप्तान बनाए रखने का फैसला लिय इस मैच में दोनों टीमों के प्लेइंग इलेवन की बात करें तो कोलकाता की टीम ने पिछले दो मैच जीते हैं। उनकी टीम में बदलाव की गुंजाइश नजर नहीं आ रही वहीं दिल्ली ने पिछले दोनों ही मैच में हार मिली है। डेविड वार्नर की वापसी से दिल्ली की ओपनिंग मजबूत हुई है क्योंकि पृथ्वी शा काफी अच्छी लय में हैं। टीम को मिडिल आर्डर में अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी गेंदबाजी में एनरिच नाखिय्या और मुस्ताफिजुर रहमान जैसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद है लेकिन उन्हें बेहतर प्लानिंग के साथ उतरना होगा। पिछले मैच में दो लगातार नो बाल की वजह से नाखिय्या पर अंपायर ने गेंदबाजी करने पर रोक लगाई थी। इस मैच में उनको ऐसी किसी भी गलती से बचना होगा। कुलदीप यादव शानदार लय में हैं वो टीम के लिए लगातार सही वक्त पर विकेट चटका रहे हैं। पृथ्वी शा, डेविड वार्नर, रोवमन पावेल, रिषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), सरफराज खान, ललित यादव, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, कुलदीप यादव, मुस्तफिजुर रहमान, एनरिच नाखिय्या कोलकाता की टीम शानदार लय में आ चुकी है और पिछले दोनों ही जीत ने इस दर्शाया कि मुश्किल हालात में वापसी करना टीम जानती है। ओपनिंग में वेंकटेश ने अर्धशतकीय पारी खेल आत्मविश्वास हासिल किया तो रसेल के अंदाज में पैट कमिंस की तूफानी अर्धशतकीय पारी ने टीम में जोश भर दिया है। कप्तान अय्यर को बड़ी पारी का इंतजार है लेकिन वह बल्लेबाजी अच्छी कर रहे है। गेंदबाजी में वरुण चक्रवर्ती और सुनील नरेन को पढ़ना विरोधी बल्लेबाजी के लिए मुश्किल हो रहा है। उमेश यादव ने धमाकेदार फार्म दिखाया है और टीम के लिए शुरुआती विकेट चटका रहे हैं। पैट कमिंस की वापसी से तेज गेंदबाजी और मजबूत हुई है और टीम अब संतुलित नजर आ रही है। अजिंक्य रहाणे, वेंकटेश अय्यर, श्रेयस अय्यर (कप्तान), सैम बिलिंग्स (विकेटकीपर), नितीश राणा, आंद्रे रसेल, सुनील नरेन, पैट कमिंस, उमेश यादव, रसिख सलाम, वरुण चक्रवर्ती

केकेआर की चुनौती पर पार पाना दिल्ली के लिए नहीं होगा आसान

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान रिषभ पंत के सामने रविवार को आइपीएल में बड़ी चुनौती होगी जब उनकी टीम कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के सामने होगी जिसकी अगुआई उसके पूर्व कप्तान श्रेयस अय्यर कर रहे हैं। आइपीएल में दिल्ली की फ्रेंचाइजी को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले अय्यर 2020 में टीम को फाइनल तक ले गए थे। लेकिन चोटिल होने के कारण वह पिछले सत्र के पहले हिस्से में नहीं खेल पाए जिससे उनकी जगह पंत को कप्तानी की

जिम्मेदारी सौंपी गई थी। और फिर दिल्ली की फ्रेंचाइजी ने 27 वर्षीय अय्यर को रिटेन भी नहीं किया जिससे केकेआर ने नीलामी में उन्हें खरीद लिया। अय्यर की कप्तानी में केकेआर चार मैचों में छह अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर चल रही है और उसे एकमात्र हार रायल चैलेंजर्स बैंगलुरु से मिली। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स ने जीत से शुरुआत की और फिर उसे लगातार हार का सामना करना पड़ा जिससे वह सातवें स्थान पर है। पंत और अय्यर दोनों को भारतीय टीम के भविष्य के कप्तान के रूप में देखा जा रहा है और यह देखना दिलचस्प होगा कि दोनों इस मुकाबले में कैसा प्रदर्शन करते हैं। हालांकि विकेटकीपर बल्लेबाज थोड़ा दबाव महसूस कर रहा होगा क्योंकि उसकी टीम ने अभी तक महज एक ही मैच जीता है। दिल्ली कैपिटल्स आइपीएल की नई टीम लखनऊ सुपरजाइंट्स से करीबी मुकाबले में हार गई थी जबकि उसे दूसरी नई टीम गुजरात टाइटंस से भी पराजय झेलनी पड़ी। हालांकि तेज गेंदबाज एनरिक नोर्त्जे की वापसी से गेंदबाजी इकाई मजबूत हुई जो चोट से उबर रहे थे। इस दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज ने नवंबर में टी-20 विश्व कप के बाद से गेंदबाजी नहीं की है जिससे वह निश्चित रूप से लय में नहीं दिख रहे हैं।काफी विकल्पों के बावजूद गेंदबाजी इकाई मारक नहीं दिखी जिसने गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ काफी रन लुटा दिए। मुस्तफिजुर रहमान उनके लिए शीर्ष प्रदर्शन करने वाले गेंदबाज रहे हैं लेकिन अन्य उनका बखूबी साथ नहीं निभा सके। उनकी बल्लेबाजी इकाई भी इतनी मजबूत नहीं दिखी है जिसमें कप्तान पंत से फिर बल्ले से ज्यादा से ज्यादा रन जुटाने की उम्मीद है। टीम पृथ्वी शा और सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर से मजबूत शुरुआत कराने की उम्मीद करेगी क्योंकि उनके मध्यक्रम ने अभी तक कुछ कमाल नहीं किया। शा ने लखनऊ की टीम के खिलाफ 34 गेंद में 61 रन बनाए थे। केकेआर की टीम का इस मैच से पहले मनोबल काफी बढ़ा हुआ है।

दिल्ली के सामने होगा दिल्ली की टीम का पुराना कप्तान, जानिए कब और कहां देखे यह मैच

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में आज सुपर संडे पर दो धमाकेदार मैच खेला जाना है। पहले मैच में कोलकाता की टीम के सामने दिल्ली होगी। यह मुकाबला बेहद दिलचस्प होगा क्योंकि कोलकाता की कमान संभाल रहे

श्रेयस पिछले सीजन तक दिल्ली की टीम का हिस्सा थे। उनको चोट की वजह से बाहर होना पड़ा और फिर कप्तानी भी चली गई। मेगा आक्शन से पहले टीम ने उनको रिलीज कर दिया और रिषभ पंत को कप्तान बनाए रखा इस सीजन में कोलकाता ने दिल्ली से काफी बेहतर खेल दिखाया है। एक तरफ जहां इस टीम ने चार में से तीन मैच जीत कर टेबल पर टाप पोजिशन पर है तो वहीं दिल्ली 3 मुकाबलों के बाद एक जीत के हासिल कर 7वें नंबर पर है। यह टक्कर देखने में काफी मजा आने वाला है, तो इस मैच को लेकर जुड़ी तमाम बातें जान लीजिए। 10 अप्रैल, रविवार को होगा कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच ये मैच। कहां खेला जाएगा कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच ये मैच कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच ये मैच ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेला जाएगा कितने बजे शुरू होगा कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच ये मैच कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच ये मैच दोपहर 3.30 बजे शुरू होगा।कितने बजे होगा कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच इस मैच का टास कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच इस मैच का टास दोपहर 3 बजे होगा कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच इस मैच को कहां देख सकते हैं कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच इस मैच को स्टार स्पोर्ट्स के नेटवर्क या हाटस्टार पर देख सकते हैं। इसके अलावा इस मैच से जुड़ी हर खबर को आप आप दैनिक जागरण की वेबसाइट पढ़ सकते हैं।

मैच के दौरान आई आर0सी0बी0 के स्टार के बहन के निधन की खबर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 15वें सीजन के 18वें मैच में मुंबई इंडियंस का सामना रायल चैलेंजर्स बैंगलोर के साथ हुआ था। इस मैच में मुंबई की टीम को 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। मैच के दौरान बैंगलोर के स्टार इस दुख की घड़ी में टीम अपने इस खिलाड़ी के साथ नजर आई और मैनेजमेंट ने तुरंत ही घर जाने का इंतजाम किया। इस वक्त वह टूर्नामेंट खेलने की वजह से बायो बबल का हिस्सा हैं। उनको बायो बबल से बाहर निकलकर अपने घर जाना पड़ा इसकी वजह से अब उनको वापस बबल में वापसी करने के लिए क्वारंटीन के नियम का पालन करना पड़ सकता है। कल जब बैंगलोर और मुंबई का मैच चल रहा था तब हर्षल की बहन का निधन हो गया। वह मैच के तुरंत बाद एक दिन के लिए अपने घर गए हैं। एक दिन बाद टीम से जुड़ेंगे। बहन बीमार थीं, इतनी जानकारी मिली है। शाम के मुकाबले में बैंगलोर के खिलाफ मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सूर्यकुमार यादव के अर्धशतक के दम पर 6 विकेट पर 151 रन का स्कोर खड़ा किया था।

गेंदबाज हर्षल पटेल को बेहद दिल तोड़ देने वाली खबर मिली। उनके बहन जो कुछ दिनों से बीमार चल रही थी उनका निधन हो गया। शनिवार को डबल हेडर मुकाबले के दूसरे मैच में बैंगलोर का सामना मुंबई की टीम के साथ हुआ। इस मैच के दौरान ही बैंगलोर के तेज गेंदबाज हर्षल के बहन के निधन की खबर आई। हर्षल ने इस मैच में शानदार गेंदबाजी करते हु 4 ओवर में 23 रन खर्च कर 2 विकेट हासिल किए थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए बैंगलोर ने 18.3 ओवर में 3 विकेट गंवाकर जीत हासिल की। अनुज रावत ने नाबाद 66 रन की पारी खेली जबकि विराट कोहली 48 रन बनाकर आउट हुए।

क्रिस सिल्वरवुड बने श्रीलंका के नए हेड कोच, अपनी कोचिंग में इंग्लैंड को जीताया था वर्ल्ड कप

नई दिल्ली। श्रीलंका क्रिकेट ने क्रिस सिल्वरवुड को दो साल की अवधि के लिए अपनी राष्ट्रीय पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में श्रीलंका के मुख्य कोच के रूप में वे अपने काम की शुरुआत करेंगे। उनके क्रिकेटिंग करियर की बात करें तो उन्होंने इंग्लैंड के लिए 6 टेस्ट मैच और 7 वनडे मैच खेले हैं। इसके अलावा उन्होंने यार्कशायर और मिडिलसेक्स के लिए काउंटी क्रिकेट में भी अपना दम दिखाया है। हालांकि उनका कोचिंग अनुभव भी अच्छा-खासा रहा है। उनकी कोचिंग में एसेक्स की टीम 25 साल बाद 2017 में काउंटी चैंपियनशिप जीता था। अपनी नियुक्ति के बाद उन्होंने कहा ठमैं श्रीलंका के साथ बोर्ड में शामिल होने के लिए बहुत उत्साहित हूं और मैं कोलंबो आने और शुरुआत करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। उनके पास खिलाड़ियों का एक प्रतिभाशाली और जुनूनी खिलाड़ी है और मै वास्तव में खिलाडियों और कोचिंग स्टाफ से मिलने के लिए उत्सुक हूंठ इससे पहले वे इंग्लैंड के कोच रह चुके हैं। उन्होंने अक्टूबर 2019 में गेंदबाजी कोच के तौर पर इंग्लैंड टीम का ज्वाइन किया था। वे हेड कोच ट्रेवर बेलिस के साथ काम कर रहे थे। इसी दौरान इंग्लैंड की टीम ने अपना पहला वर्ल्ड कप खिताब जीता था।

जानें कब और कहां देख सकते हैं राजस्थान और लखनऊ के बीच होने वाला ये मैच

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग का 20वां मैच राजस्थान रायल्स और सीजन की नई टीम लखनऊ सुपरजाइंट्स के बीच खेला जाएगा। राजस्थान जहां 3 मैचों

में से 2 में जीत दर्ज कर प्वाइंट्स टेबल में 5वें स्थान पर है तो वहीं लखनऊ की टीम 6 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। राजस्थान की बल्लेबाजी और गेंदबाजी शानदार फार्म में है। टीम के पास जोस बटलर और संजू सैमसन के रूप में बेहतरीन बल्लेबाज मौजूद है तो ट्रेंट बोल्ट और युजवेंद्र चहल भी अच्छे लय में नजर आ रहे है। दूसरी तरफ लखनऊ की टीम जेसन होल्डर के आने से स्ट्रोंग हुई है और डेथ ओवर में अच्छी गेंदबाजी कर रही है। टीम के पास केएल राहुल और क्विवंटन डीकाक के रूप में खतरनाक ओपनिंग जोड़ी मौजूद है। यदि आप भी इस मैच में बल्ले और गेंद के बीच होने वाले रोमांच का लुत्फ उठाना चाहते है तो आइए मैच से जुड़ी कुछ अहम बातों को जान लेते हैं। कब होगा राजस्थान रायल्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स के बीच ये मैच 10 अप्रैल, रविवार को होगा राजस्थान रायल्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स के बीच ये मैच। कहां खेला जाएगा राजस्थान रायल्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स के बीच ये मैच राजस्थान रायल्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स के बीच ये मैच वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। कितने बजे शुरू होगा राजस्थान रायल्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स के बीच ये मैच राजस्थान रायल्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स के बीच ये मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा। कितने बजे होगा राजस्थान रायल्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स के बीच इस मैच का टास राजस्थान रायल्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स के बीच इस मैच का टास शाम 7 बजे होगा। राजस्थान रायल्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स के बीच इस मैच को कहां देख सकते हैं राजस्थान रायल्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स के बीच इस मैच को स्टार स्पोर्ट्स के नेटवर्क या हाटस्टार पर देख सकते हैं। इसके अलावा इस मैच से जुड़ी हर खबर को आप आप दैनिक जागरण की वेबसाइट पढ़ सकते हैं।

चौथी हार के बाद रोहित ने की इस बल्लेबाज की तारीफ कहा- सामूहिक प्रयास करने की जरुरत

नई दिल्ली।इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास की सबसे सफल टीम मुंबई इंडियंस के लिए इस सीजन में कुछ भी

ठीक नहीं चल रहा है। बैंगलोर के खिलाफ मैच में टीम को लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई ने बैंगलोर के सामने 152 रनों का लक्ष्य रखा था जिसे बैंगलोर ने अनुज रावत के 66 और विराट कोहली के 48 रनों की पारी के दम पर 19वें ओवर में ही हासिल कर लिया। मैच के बाद रोहित शर्मा ने कहाठ दो ओवरसीज खिलाड़ियों के साथ इस पिच पर उतरना सही था। हम अपनी बल्लेबाजी को मजबूत करना चाहते थे। दुर्भाग्यवश हमारी टीम में कुछ ओवरसीज खिलाड़ी हैं जो अभी उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए हमने उपलब्ध विकल्पों में से बेस्ट चुना था। मैं ज्यादा देर तक बल्लेबाजी करना चाहता था लेकिन गलत समय पर आउट हो गया। ये मुझे चुभ रहा है। निश्चित तौर पर ये 150 के स्कोर वाली पिच नहीं थी। सूर्या ने दिखाया कि यदि आर संयंमित होकर बल्लेबाजी करेंगे तो आप जो चाहते हैं हासिल कर पाएंगे। 150 रन तक पहुंचाने का श्रेय सूर्या को जाता है। लेकिन मैं जानता था कि ये काफी नहीं था। हमने गेंदबाजी में कोशिश की लेकिन उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी का परिचय दिया। कई क्षेत्रों में सुधार की जरुरत है। हम चाहते हैं कि हमारे बल्लेबाज देर तक टिक कर बल्लेबाजी करें। यदि आप रन बनाएंगे तो गेंदबाजों के पास कुछ करने का विकल्प होता है। यदि आप इस तरह के टीमों के साथ खेलते हैं तो ये स्कोर काफी नहीं होता है। मैंने हमेशा से कहा है कि बल्ले और गेंद से सामूहिक प्रयास करने की जरुरत है जिसकी इस समय कमी है। यदि ऐसा होगा तो मुझे लगता है कि सब ठीक होगा आपको बता दें कि इस बार मुंबई की टीम कई बदलावों के साथ उतरी है। टीम में क्विंटन डीकाक के अलावा पांड्या ब्रदर्स और अनुभवी गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट की कमी साफ नजर आ रही है। हालांकि मुंबई के लिए इस तरह की परिस्थिति नई नहीं है क्योंकि इससे पहले टीम 2008, 2014, 2015 और 2018 में भी इसी स्थिति से गुजर चुकी है। उम्मीद है आने वाले मैचों में टीम इस सीजन में वापसी कर सकेगी।

राशिफल

मेष-:अवांछित यात्राएं थकाने वाली साबित होंगी और बेचैनी का कारण बन सकती हैं। मांसपेशियों को आराम देने के लिए तेल से शरीर की मालिश करें।

वृष-:आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। जिन लोगों के साथ आप रहते हैं उनसे विवाद करने की बजाय विवादों से दूर रहें।

मिथुन-:आज आपका काम बन सकता है। आर्थिक स्थिति में भी सुधार संभव है। व्यक्तिगत संबंध मददगार हो सकते हैं। दिन खुशी से बीतेगा।

कर्क-:दोस्त की बेरुखी आपको परेशान करेगी। लेकिन अपने आप को शांत रखें। इसे समस्या न बनने दें और इससे बचने की कोशिश करें।

सिंह-:आज आपके लिए परिवार और करियर के बीच संतुलन बनाना बहुत आसान होगा। साथ ही घर में आज आप किसी के भ्रम की भावना को दूर करेंगे।

कन्या-:आज आपको कार्यक्षेत्र में नए आयाम मिलने वाले हैं। इसके साथ ही आज आपकी किसी पुराने मित्र या रिश्तेदार से मुलाकात हो सकती है। आज आप पहले से बेहतर महसूस करे।

तुला-:मानसिक दबाव के बावजूद आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। लोग आपकी लगन और मेहनत पर ध्यान देंगे और आज इससे आपको कुछ आर्थिक लाभ मिल सकता है।

वृश्चिक-:आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा। आज किसी बिजनेस पार्टनर के साथ महत्वपूर्ण मुलाकात होने के बाद आप रात के खाने के लिए किसी अच्छे रेस्टोरेंट में जा

धनु-:यह दिन आपके और आपके परिवार के लिए खुशी और सुकून लेकर आएगा। प्रकृति ने आपको आत्मविश्वास और तेज दिमाग का आशीर्वाद दिया है। इसलिए इसका भरपूर उपयोग करें।

मकर-:आशावादी रहें और उज्ज्वल पक्ष को देखें। आपका विश्वास और आशा आपकी इच्छाओं और आशाओं के लिए नए द्वार खोलती है।

कुंभ-:आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज आपका परिवार के किसी सदस्य से विवाद हो सकता है। इस राशि के लोगों को आज ऑफिस में कड़ी मेहनत के कारण प्रमोशन मिल सकता है।

मीन-: आज आपका परिवार के किसी सदस्य से विवाद हो सकता है। इस राशि के लोगों को आज ऑफिस में कड़ी मेहनत के कारण प्रमोशन मिल सकता है।

सम्पादकीय

यदि निर्यात में वृद्धि करनी है तो देश को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में और तेजी से कार्य करना होगा

वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का वस्तु निर्यात 400 अरब डालर से अधिक हो जाना किसी उपलब्धि से कम नहीं है। सेवाओं के निर्यात को भी इसमें शामिल कर लिया जाए तो भारत के कुल निर्यात 650 अरब डालर से अधिक हो जाते हैं। इस प्रकार वित्त वर्ष 2019-20 के 292 अरब डालर के निर्यात की तुलना में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। निर्यात में इंजीनियरिंग, टेक्सटाइल, रतन एवं आभूषण, केमिकल, दवा और इलेक्ट्रानिक सामानों के साथ-साथ कृषि उत्पादों-चावल, गेहूं, मसाले, चीनी, फल-सब्जी, कालीन, मांस, डेयरी, समुद्री आदि उत्पादों का महत्वपूर्ण योगदान है। यह एक सकारात्मक बदलाव है, जिसने भारत को निर्यात क्षेत्र में विश्व की अग्रिम पंक्ति के देशों में खड़ा करने का काम किया है। निर्यात बढ? से देश की विनिमय दर, मुद्रास्फीति, ब्याज दर आदि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। रोजगार के अवसरों का सृजन, विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि, विनिर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहन एवं सरकार के राजस्व संग्रह में भी वृद्धि होती है। भारत की जीडीपी में निर्यात की बढ़ती हिस्सेदारी बताती है कि देश आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ रहा है। कोरोना महामारी के चलते विश्व की वस्तु आपूर्ति श्रृंखला के बाधित होने के बाद दुनिया के देशों द्वारा चीन से दूरी बनाना एवं रूस-यूक्रेन युद्ध भले ही निर्यात वृद्धि के तत्कालिक कारण हों, परंतु सरकार द्वारा किए गए नीतिगत उपायों ने भी निर्यात को बढ़ाने में सार्थक भूमिका का निर्वाह किया है। इसमें बैटरी, इलेक्ट्रानिक्स, आटोमोबाइल्स, फार्मास्युटिकल्स, ड्रग्स, टेक्सटाइल्स सहित 13 क्षेत्रों में निर्यात को बढ़ावा देने के लिए पीएलआइ योजना (उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना) प्रमुख है, जिसके अंतर्गत उत्पादन बढ़ाने पर सब्सिडी दी जाती है। इसी के साथ प्रत्येक जिले में निर्यात क्षमता वाले उत्पादों की पहचान करके जिलों को निर्यात हब के रूप में विकसित करने की नई पहल भी की गई है। गांवों से शहरों की ओर विकास की धारा को बहाने के लिए अब निर्यात को एक बड़ा यंत्र बनाया गया है, ताकि देश निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल कर सके। एमएसएमई और स्टार्टअप के निर्यात से जुड़े मुद्दों के त्वरित समाधान पर बल दिया जाना समय की मांग है। टैक्स फाइल प्रक्रिया को आसान बनाते हुए डिजिटल प्लेटफार्म को प्रोत्साहन दिया गया है, जिससे समय, ऊर्जा और धन की बचत बढ़ी है। सरकार की नई व्यापार नीति में विभिनन देशों की व्यापार क्षमता का आकलन कर नए और मौजूदा बाजारों में निर्यात की संभावनाओं को अधिक मजबूत करने पर बल दिया गया है। भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार एवं सरकार की प्रतिबद्धताओं का ही परिणाम है कि दुनिया में मेक इन इंडिया ब्रांड पर भरोसा बढ़ रहा है। यदि हम चीन के निर्यात के साथ भारत की तुलना करें तो भारत के निर्यात बहुत कम हैं। यदि निर्यात में वृद्धि करनी है तो देश को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में तेजी से कार्य करना होगा। विश्व बाजार में गुणवत्तायुक्त उत्पादों की बहुत अधिक मांग है। आज भारत के उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ प्रतिस्पर्धी भी बनाना होगा। आम तौर पर यह मत है कि चीन में श्रमिकों की संख्या अधिक होने से चीनी उत्पादों की लागत कम है। वास्तव में मूल कारण श्रमिकों की संख्या का अधिक होना नहीं, बल्कि चीनी श्रमिकों की उत्पादकता अधिक होना है। चीन का एक श्रमिक भारत के श्रमिक की तुलना में 1.6 गुना अधिक उत्पादन करता है। चीन केवल सस्ती वस्तुओं का ही उत्पादन नहीं करता, बल्कि विश्व के लगभग 60 प्रतिशत ब्रांडेड लक्जरी वस्तुओं का उत्पादन भी करता है। भारत में श्रमिकों की कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम को सीधे तौर पर उदयोगों के साथ जोड़ा जाना चाहिए, जिससे श्रमिकों की उत्पादकता एवं कार्यक्षमता में वृद्धि होने के साथ प्रबंधकीय क्षमता का भी विकास होगा। निर्यातकों को गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के लिए प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। इससे न केवल रोजगार बढ़ेगा, बल्कि उनकी लागत में भी कमी आएगी।

समान नागरिक संहिता के विषय पर मुस्लिम नेताओं की नहीं बदली सोच

समान नागरिक संहिता भाजपा की पुरानी मांग रही है। इसके नेता देश में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए अभियान चलाते रहे हैं। इसी कड़ी में अब पुष्कर सिंह धामी का नाम जुड़ गया है, जो दूसरी बार उत्तराखंड के मुख्यमंत्री बने है। पिछले दिनों अपनी पहली कैबिनेट बैठक में धामी ने समान नागरिक संहिता के निर्माण लिए एक कमेटी बनाने का फैसला किया। विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने इसे लागू करने का वादा किया था। इस प्रकार उत्तराखंड ने इस संबंध में दूसरे राज्यों को एक रास्ता दिखा दिया है। संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि 'राज्य, भारत के समस्त क्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता लागू कराने का प्रयास करेगा।' यह अनुच्छेद राज्य के नीति निदेशक तत्व भाग में है, जो कि संविधान में सलाह के रूप में दर्ज है। यानी यह बाध्यकारी नहीं है। हालांकि समान नागरिक संहिता से जुड़ी कुछ बातें संविधान की सातवीं अनुसूची में समवर्ती सूची के खंड पांच में भी दी गई है। समवर्ती सूची में दर्ज विषयों पर केंद्र और राज्य, दोनों कानून बना सकते है। मुस्लिम पर्सनल ला (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट, 1937 के तहत विवाह, पालन-पोषण, मेहर, तलाक और उत्तराधिकार जैसे मुद्दे भी इसके अंतर्गत आते हैं। इनमें से कई विषय समवर्ती सूची के खंड पांच में भी दर्ज है। यदि उत्तराखंड इस संबंध में कानून बनाता है तो भी वह पहला राज्य नहीं होगा। वास्तव में गोवा एक ऐसा राज्य है, जहां पुर्तगाल के शासनकाल से ही समान नागरिक संहित लागू है, लेकिन अन्य राज्यों में समान नागरिक संहित की बात होने पर मुस्लिम समुदाय के कुछ नेता विरोध करने लगते है। पिछले साल नवंबर में आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड ने समान नागरिक संहिता का यह कहकर विरोध किया था कि 'यह भारत जैसे विविधतापूर्ण देश के लिए न तो उपयुक्त है, न ही उपयोगी।' इन दिनों समान नागरिक संहिता के खिलाफ जो बातें कही जा रही हैं, वे कमोबेश वैसी ही है जैसी संविधान सभा में 23 नवंबर, 1948 को अनुच्छेद 44 पर बहस के दौरान कुछ मुस्लिम सदस्यों ने कही थीं। उस दौरान संविधान सभा में हुई बहस पर नजर डालें तो पाएंगे कि आजादी के 75 वर्षों में देश में काफी कुछ बदल गया है, लेकिन समान नागरिक संहिता के विषय पर मुस्लिम नेताओं का चिंतन नहीं बदला है। संविधान सभा में विरोध करने वालों में मोहम्मद इस्माइल साहिब, नजीमुद्दीन अहमद, महबूब अली बेग, पोकर साहिब बहादुर और हुसैन इमाम शामिल थे। इस्माइल साहिब ने विरोध करते हुए कहा था कि 'नागरिकों के लिए समान कानून की कोई आवश्यकता नहीं है। इसके बजाय यदि लोग अपने पर्सनल कानून का पालन करते हैं तो कोई नाराजगी या असंतोष नहीं होगा।

आज नवरात्र के सातवें दिन मां दुर्गा रूप कालरात्रि देवी की पूजा करने का विधान, मंत्र, स्तोत्र,साधना, पुष्प, भोग और आरती

पंडित सुधांशु तिवारी
(श्री राम कथा प्रवक्ता)

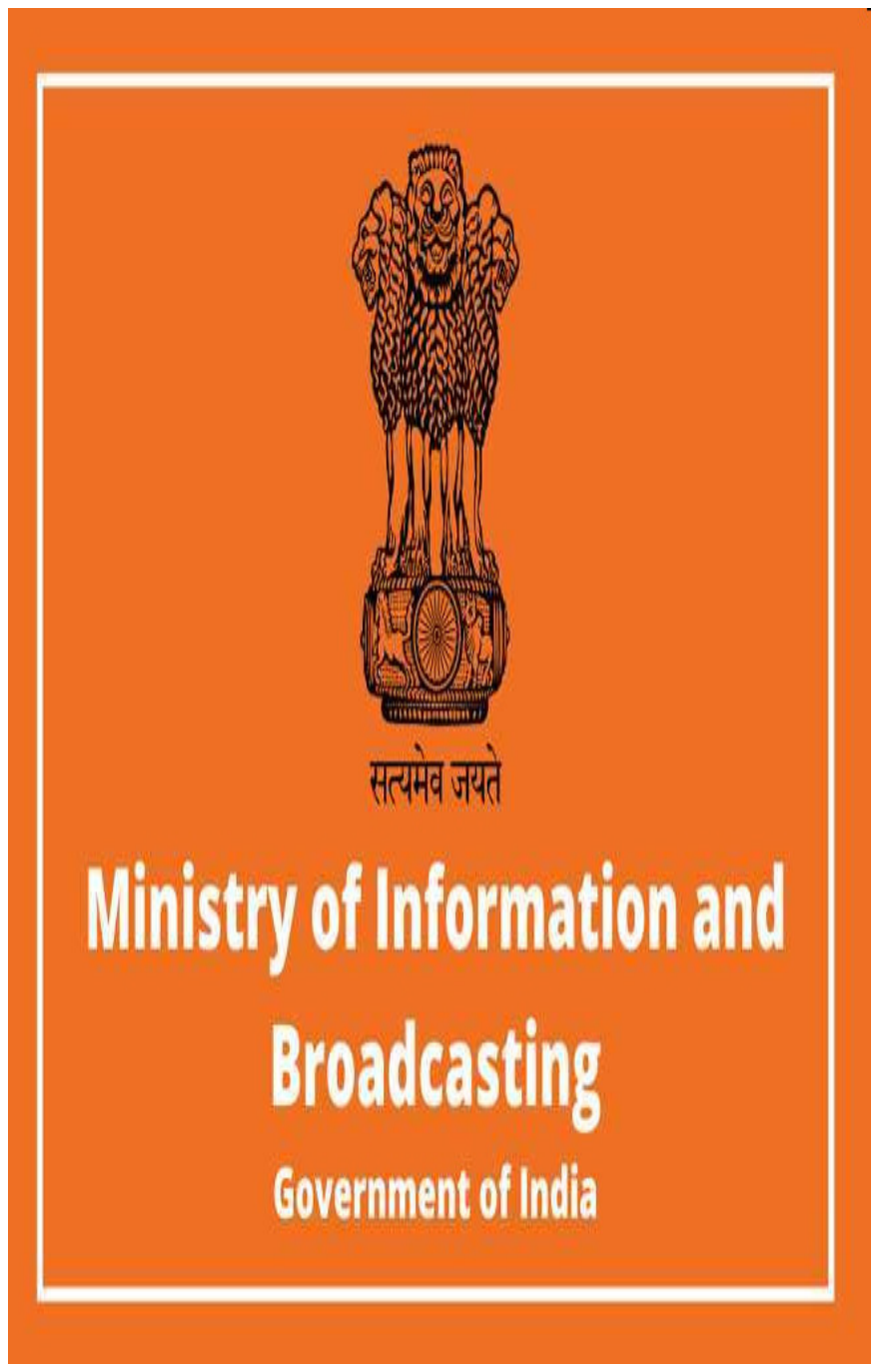

नवरात्र के सातवें दिन दुर्गाजी के सातवें स्वरूप मां कालरात्रि की पूजा और अर्चना का विधान है। संभवतः इनके स्वरूप के कारण ही इनका नाम कालरात्रि पड़ा। क्योंकि इनका वर्ण अंधकार की भांति एकदम काला है। सप्तमी मां कालरात्रिः नवरात्र के सातवें दिन दुर्गाजी के सातवें स्वरूप मां कालरात्रि की पूजा और अर्चना का विधान है। संभवतः इनके स्वरूप के कारण ही इनका नाम कालरात्रि पड़ा। क्योंकि इनका वर्ण अंधकार की भांति एकदम काला है। बाल बिखरे हुए हैं और इनके गले में दिखाई देने वाली माला बिजली की भांति देदीप्यमान है। इन्हें तमाम आसुरिक शक्तियों का विनाश करने वाला बताया गया है। इनके तीन नेत्र हैं और चार हाथ हैं जिनमें एक में खड्ग अर्थात् तलवार है तो दूसरे में लौह अस्त्र है, तीसरे हाथ में अभयमुद्रा है और चौथे हाथ में वरमुद्रा है। इनका वाहन गर्दभ अर्थात् गधा है। कालरात्रि होने के कारण ऐसा विश्वास है कि ये अपने उपासकों को काल से भी बचाती हैं अर्थात् उनकी अकाल मृत्यु नहीं होती। इन्हें सभी सिद्धियों की भी देवी कहा जाता है, इसीलिये सभी तंत्र मंत्र के उपासक इस दिन इनकी विशेष रूप से पूजा करते हैं। इनके नाम के उच्चारण मात्र से ही भूत, प्रेत, राक्षस, दानव और सभी पैशाचिक शक्तियां भाग जाती हैं। माना जाता है कि इस दिन इनकी पूजा करने

वाले साधक का मन सहस्रार चक्र में स्थित होता है। इनकी पूजा में गुड़ के भोग का विशेष महत्व है। मां कालरात्रि स्वरुप की पूजा, अर्चना और स्तवन निमन मंत्र से किया जाता है जपाकर्ण,पूरा नगन खरास्थिता। लम्बोष्ठी कर्णिकाकर्णी,तैलाभ्यक्तशरीरिणी। जपाकर्ण,पूरा नगन खरास्थिता। लम्बोष्ठी कर्णिकाकर्णी,तैलाभ्यक्तशरीरिणी वामपादोल्लसल्लोह,लताकंटकभूषणा। वर्धनमूर्धध्वजा कृष्णा,कालरात्रिभयंकरी।। अर्थात् एक वेणी (बालों की चोटी) वाली, जपाकुसुम (अड़हुल) के फूल की तरह लाल कर्ण वाली, उपासक की कामनाओं को पूर्ण करने वाली, गर्दभ पर सवारी करने वाली, लंबे होठों वाली, कर्णिका के फूलों की भांति कानों से युक्त, तैल से युक्त शरीर वाली, अपने बाएं पैर में चमकने वाली लौह लता धारण करने वाली, कांटों की तरह आभूशण पहनने वाली, बड़े ध्वज वाली और भयंकर लगने वाली कालरात्रि मां हमारी रक्षा करे। मां कालरात्रि ध्यान मंत्र करालवंदना धोरां मुक्तकेशी चतुर्भुजाम्। कालरात्रिं करालिंका दिव्यां विद्युतमाला विभूषिताम दिव्यं लौहवज्र खड्ग वामोधोर्ध्व कराम्बुजाम्। अभयं वरदां चैव दक्षिणोध्वाघः पार्णिकाम् मम महामेघ प्रभां श्यामां तक्षा चैव गर्दभारूढ़ा। घोरदंश कारालास्यां पीनोन्नत पयोधराम सुख पप्रसन्न वदना स्मेरान्न सरोरूहाम्। एवं सचियन्तयेत् कालरात्रिं सर्वकाम् समृध्दिदाम् स्तोत्र पाठ हीं कालरात्रि श्री कराली च क्लीं कल्याणी कलावती। कालमाता कलिदर्पध्नि कमदीश कुपान्वित कामबीजजपान्दा कमबीजस्वरूपिणी। कुमतिघ्नी कुलीनर्तिनाशिनी कुल कामिनी क्लीं हीं श्रीं मन्त्र्वर्णेन कालकण्टकघातिनी। कृपामयी कृपाधारा कृपापारा कृपागमा मां कालरात्रि मंत्र 1. ज्वाला कराल अति उग्रम शेषा सुर सूदनम. त्रिशूलम पातु नो भीते भद्रकाली नमोस्तुते. 2.या देवी सर्वभूतेषु माँ कालरात्रि रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः। 3.चण्डवीरां चण्डमायां रक्तबीज - प्रभञ्जनीम्। तां नमामि च देवेशीं गायत्रीं गुणशालिनीम्। । मां कालरात्रि बीज मंत्र क्लीं ऐं श्री कालिकायै नमः। मां कालरात्रि साबर मंत्र ॐ नमो काली कंकाली महाकाली मुख सुन्दर जिह्वा वाली, चार वीर भैरों चौरासी, चार बत्ती पूजूं पान ए मिठाई,अब बोलो काली की दुहाई मां कालरात्रि की पूजा विधि काले रंग का वस्त्र धारण करके या किसी को नुकसान पंहुचाने के उद्देश्य से पूजा ना करें. मां कालरात्रि की पूजा करने के लिए श्वेत या लाल वस्त्र धारण करें. देवी कालरात्रि पूजा ब्रह्ममुहूर्त में ही की जाती है. वहीं तंत्र साधना के लिए तांत्रिक मां की पूजा आधी रात में करते हैं इसलिए सूर्यादय से पहले ही उठकर सनन आदि से निवृत्त हो जाए पूजा करने के लिए सबसे पहले आप एक चौकी पर मां कालरात्रि का चित्र या मूर्ति स्थापित करें. इसके बाद मां को कुमकुम, लाल पुष्प, रोली आदि चढ़ाएं. माला के रूप में मां को नींबुओं की माला पहनाएं और उनके आगे तेल का दीपक जलाकर उनका पूजन करें. मां कालरात्रि को को लाल फूल अर्पित करें. मां के मंत्रों का जाप करें या सप्तशती का पाठ करें. मां की कथा सुनें और धूप व दीप से आरती उतारने के बाद उन्हें प्रसाद का भोग लगाएं. अब मां से जाने अनजाने में हुई भूल के लिए माफी मांगें. मां कालरात्रि दुष्टों का नाश करके अपने भक्तों को सारी परेशानियों व समस्याओं से मुक्ति दिलाती है. इनके गले में नरमुंडों की माला होती है. नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा करने से भूत प्रेत, राक्षस, अगिन्न-भय, जल-भय, जंतु-भय, शत्रु-भय, रात्रि-भय आदि सभी नष्ट हो जाते हैं मां कालरात्रि को लगाएं ये भोग- देवी कालरात्रि को काली मिर्च, कृष्णा तुलसी या काले चने का भोग लगाया जाता है. वैसे नकारात्मक शक्तियों से बचने के लिए आप गुड़ का भोग लगा सकते हैं. इसके आलावा नींबू काटकर भी मां को अर्पित कर सकते हैं इन मंत्रों का करें जाप 1.'एकवेणी जपाकर्ण, पूरा नगन खरास्थिता. लम्बोष्ठी कर्णिकाकर्णी, तैलाभ्यक्तशरीरिणी वामपादोल्लसल्लोह, लताकंटकभूषणा वर्धनमूर्धध्वजा कृष्णा, कालरात्रिभयंकरी' 2. या देवी सर्वभूतेषु माँ कालरात्रि रूपेण संस्थिता नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमःपंडित सुधांशु तिवारीठराष्ट्रीय प्रवक्ता

फिल्म से जुड़ी संस्थाओं में सुधार समय की मांग, बेवजह विरोध कर रहे मलयालम फिल्म निर्देशक अदूर गोपालकृष्णान

मलयालम फिल्म के एक निर्देशक हैं अदूर गोपालकृष्षण। मलयालम में नई तरह की फिल्म बनाने को लेकर उनकी ख्याति रही है। कई राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं। पद्मश्री और पद्मविभूषण से भी सम्मानित हैं। देश विदेश की फिल्मों से जुड़ी संस्थाओं से किसी न किसी रूप में जुड़े रहे हैं। इंटरनेट मीडिया पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार इमरजेंसी के दौर (1975-1977) में पुणे के भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान के निदेशक रह चुके हैं। फिल्मों से जुड़ी कई संस्थाओं की समितियों में भी लंबे समय तक रहे हैं। ये सब बताने का आशय ये है कि अदूर गोपालकृष्णन का फिल्मों से जुड़ी संस्थाओं के प्रशासन आदि का लंबा अनुभव है। कई बार होता है कि अनुभवों की थाती को लेकर चल रहा व्यक्ति समय के साथ आने वाले बदलाव की आहट को भांप नहीं पाता है। अदूर गोपालकृष्णन के साथ भी यही होता प्रतीत हो रहा है। वो इन दिनों सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अलग अलग विभागों के पुनर्गठन के फैसले की आलोचना कर रहे हैं। उनको लगता है कि केंद्र सरकार का ये फैसला अनुचित है। उनका मानना है कि इन सभी संस्थाओं को वर्तमान स्वरूप में ही काम करने दिया जाए। दरअसल जब वो इस तरह की बात करते हैं तो ये स्पष्ट हो जाता है कि बदलते हुए समय को पहचान नहीं पा रहे हैं। मनोरंजन की दुनिया या उसके प्रशासन से जुड़े तौर-तरीके अब वो नहीं रहे जो उदारीकरण के पहले हुआ करते थे। उदारीकरण और अब महामारी के दौर के बाद मनोरंजन की दुनिया पूरी तरह बदल चुकी है। इस बदले हुए दौर को पहचानना और उसके हिसाब से कार्य करना सरकार का दायित्व है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत फिल्मों से सबंधित कई ऐसे विभाग हैं जिनका गठन उदारीकरण के दौर के पहले हुआ था। फिल्म प्रभाग, बाल चित्र समिति (चिल्ड्रन फिल्म सोसाइटी), फिल्म समारोह निदेशालय, नेशनल फिल्म आर्काइव और राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम। इनके गठन के समय की मांग के अनुसार इन विभागों के दायित्व तय किए गए थे। समय बदला, सिनेमा के व्याकरण से लेकर उसके तकनीक तक में आमूल चूल बदलाव आया। फिल्मों से संबंधित इन सरकारी संस्थाओं में अपेक्षित बदलाव नहीं हो पाया। समय के साथ नहीं चल पाने की वजह से इनमें से कई संस्थाएं अपने मूल उद्देश्यों से भटक गईं। एक ही काम कई संस्थाएं करने लग गईं। चिल्ड्रन फिल्म सोसाइटी, फिल्म

समारोह निदेशालय और फिल्म प्रभाग अलग-अलग तरह से फिल्म फेस्टिवल का आयोजन करते हैं। कोई संस्था बच्चों की फिल्मों का फेस्टिवल आयोजित करती है तो कोई फीचर फिल्मों और कोई शार्ट फिल्म और एनिमेशन को लेकर फिल्मोत्सव आयोजित करती हैं।देश में फिल्म संस्कृति के विकास और दूसरे देशों के साथ सांस्कृतिक आदान प्रदान का कार्यक्रम भी दो संस्थाएं चलाती हैं। फिल्म प्रभाग, चिल्ड्रन फिल्म सोसाइटी और राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम फिल्मों के निर्माण और उसके प्रोत्साहन का कार्य करती हैं। कहने का तात्पर्य ये है कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत आनेवाले विभागों में कामों को लेकर दोहराव है। एक ही मंत्रालय के अलग अलग विभाग एक ही काम करते हैं, जिससे करदाताओं के पैसे का अपव्यय होता है। अटल बिहारी वाजपेयी जब प्रधानमंत्री थे तब भारत सरकार की एक समिति ने इन संस्थाओं में युक्तिसंगत बदलाव की सिफारिश की थी। उस समय कोई ठोस निणन्य नहीं हो सका था। कांग्रेस की अगुवाई वाली सरकार के दस साल के कार्यकाल में यथास्थिति कायम रही। 2016 में नीति आयोग ने फिल्मों से जुड़ी इन संस्थाओं के क्रियाकलापों का अध्ययन कर उससे संबंधित सुझाव दिए थे। फिर एक समिति बनी। समिति ने सुझाव दिए। लेकिन अमल नहीं हो सका। अब सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने इन विभागों के पुनर्गठन के प्रस्ताव को स्वीकार कर इनके कार्यों को युक्तिसंगत बनाने का आदेश दिया है। इसी क्रम में 30 मार्च को फिल्म समारोह निदेशालय से भारतीय अंतराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के आयोजन का काम लेकर फिल्म विकास निगम को सौंप दिया गया है। अन्य विभागों को भी पुनर्गठित किया जा रहा है। अदूर गोपालकृष्ण का कहना है कि वो इन संस्थाओं से जुड़े होने की वजह से इनके कामकाज से परिचित हैं। उनका मानना है कि संस्थाओं का विलय करके उसका अस्तित्व समाप्त करने से कला का नुकासन होगा। इस संदर्भ में वो जया बच्चन का उदाहरण देते हैं कि जब वो चिल्ड्रन फिल्म सोसाइटी की अध्यक्ष थीं तो बेहतर फिल्म का निर्माण हुआ था और फिल्म फेस्टिवल भी स्तरीय हुआ था। यहां अदूर गोपालकृष्ण को ये बताना चाहिए था कि उस समय कौन सी ऐसी फिल्म का निर्माण हुआ था जिसने बच्चों की रुचि इस माध्यम में पैदा की थी। क्या अब उन फिल्मों के बारे में किसी को याद है। अगर बनी भी थी तो क्या फिल्म विकास निगम वैसी फिल्में नहीं बना सकता है। अदूर गोपालकृष्णन को ये भी बताना चाहिए कि जब वो पुणे के भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान के अगुवा थे उस समय वो कितनी बार संस्थान गए थे और उसकी कितनी बैठकों में शामिल हुए थे। उस वक्त उनको अनुपस्थित निदेशक क्यों कहा जाता था। 2011 में जब नेशनल म्यूजियम आफ इंडियन सिनेमा बनाने की योजना बनी थी तो सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने श्याम बेनेगल की अध्यक्षता में एक सलाहकार समिति का गठन किया था। उस समिति में अदूर गोपालकृष्ण भी सदस्य थे। उसके बाद 2017 में सरकार ने प्रोक्यूरमेंट (खरीद) कमेटी बनाई जिसमें भी अदूर गोपालकृष्ण थे। अदूर गोपालकृष्ण को बताना चाहिए कि सलाहकार समिति ने 2019 तक क्या काम किया। क्या उस वक्त अदूर गोपालकृष्णन ने सरकार को ये सलाह दी थी कि पुणे की फिल्म आर्काइव को ही म्यूजियम बना दिया जाए। नौ वर्षों में सलाहकार समिति की बैठकों पर करदाताओं का कितना व्यय हुआ। बताना तो ये भी चाहिए कि सलाहकार समिति के रहते 2017 में म्यूजियम की गुणवत्ता में सुधार के लिए नई समिति का गठन क्यों करना पड़ा। जिसके बाद म्यूजियम आकार ले सका। फिल्म विकास निगम ने समांतर सिनेमा या न्यू वेव सिनेमा के नाम पर जिस प्रकार के फिल्मों को वित्तीय सहायता दी उसका भी आकलन किया जाना चाहिए। दरअसल जब फिल्मों और उससे जुड़ी संस्थाओं में सुधार की बात होती है तो एक पूरा इकोसिस्टम उसके खिलाफ हो जाता है। अदूर गोपालकृष्णन उसी इकोसिस्टम के हिस्सा हैं। उन्होंने पहली बार इसका विरोध नहीं किया है । जब से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं और फिल्मों की संस्थाओं पर कुंडली जमाकर बैठे एक विचारधारा विशेष के लोगों को चुनौती मिलने लगी तभी से इस तरह की बातें सामने आने लगी हैं। कहा जाने लगा कि वर्तमान सरकार का फिल्मों के प्रति रवैया नकारात्मक और विध्वंसात्मक है। अब ये लोग संस्थाओं के पुनर्गठन को संस्कृति के संरक्षण और क्षरण से जोड़कर प्रचारित कर रहे हैं। अदूर गोपालकृष्ण और उन जैसे लोगों को ये समझना होगा कि तकनीक के आगमन के बाद फिल्मों से जुड़ी पुरानी संस्थाओं के कार्य की समीक्षा आवश्यक है। अगर फिल्म विकास निगम फिल्म बनवाने में सक्षम है या उसके पास फिल्म बनाने या फिल्म निर्माण को प्रोत्साहित करने का मैंडेट है तो फिर दूसरी सरकारी संस्था फिल्म क्यों बनाए। क्यों नहीं फिल्म विकास निगम ही बच्चों की फिल्मों के निर्माण का कार्य करे। क्यों नहीं एक सरकारी संस्था सभी तरह के फिल्म फेस्टिवल का आयोजन करे। सूचना और प्रसारण मंत्रालय को पुर्नगठन और इन संस्थाओं में प्रशासवनिक सुधार के कार्य को तेज करना चाहिए। मंत्रालय के अधीन आनेवाले विभाग सांग और ड्रामा डिवीजन एवं प्रकाशन विभाग की उपोगिता पर भी पुनर्विचार करना चाहिए। उनन्त तकनीक के इस दौर में इन संस्थाओं के मैंडेट को भी बदले जाने की आवश्यकता है।

संक्षिप्त समाचार

नवरात्र में मीट की दुकानें बंद करने के मामले में दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग ने को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग ने उन खबरों को संज्ञान में लिया है, जिसमें कहा गया है कि दिल्ली के तीनों नगर निगमों की ओर से नवरात्र में मीट की दुकानें और होटल बंद रहने संबंधी आदेश दिया गया हैं। आयोग ने इस मामले में तीनों निगमों के महापौर और आयुक्तों को नोटिस भेजकर उनसे यह जवाब मांगा है कि उन्होंने किस आधार पर दुकानों व होटलों को बंद करने के आदेश दिए हैं। आयोग के अध्यक्ष जाकिर खान ने इस फैसले को संविधान को खिलाफ बताते हुए कहा कि ये देश सभी का है और सभी को संवैधानिक आजादी है। जैसे नवरात्र चल रहा है, वैसे ही रमजान का महीना भी चल रहा है। सभी लोगो को एक दूसरे की धार्मिक भावनाओं का ख्याल रखना चाहिए जहां हिंदू भाइयो के बहुल इलाके हैं, वहां मुस्लिम भाइयो को भी ख्याल रखने की जरूरत है कि उनको कोई परेशानी ना हो, इसी तरह जो मुस्लिम बहुल इलाके हैं वहां इस तरह का आदेश देना जरूरी नही है। इस आदेश से कई मुस्लिम धार्मिक संगठनों और मुगलई व्यंजन संचालकों ने भी चिंता जताई है तथा संविधान के साथ ही आजीविका का हवाला देते हुए इस आदेश को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। दरियागंज स्थित एक रेस्त्रां के संचालक तौफिक ने कहा कि तीन दिन तक बूचड़खाना भी बंद करने के आदेश दिए गए हैं, जिससे उनके जैसे दुकानदारों के सामने कच्चा माल का संकट गहरा जाएगा।

मैहर में नवरात्रि मेले के अवसर में रोपवे में आई खराबी बड़ा हादशा टला

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। दामोदर रोपवे कंपनी के मेंटेनेंस के दावों की खुली पोल, आज सुबह से बंद है रोपवे, रोपवे की टिकट कटा लंबी लाइनों में खड़े है श्रद्धालु, हो रहें है परेशान, रोपवे सुधार किए जाने की समय सीमा भी नही बता रहे कर्मचारी। रोपवे की तकनीकी खामी की वजह से कभी भी हो सकता है बड़ा हादशा, जिम्मेदारों की शह पर दामोदर रोपवे कंपनी की अंधेरगर्दी लगातार जारी। बिना सेफ्टी उपकरणों के कर्मचारियों से टावर के ऊपर कराया जा रहा रोपवे सुधार का कार्य।

राम नाम ब्रह्मा, विष्णु व महेश रूप होने के कारण ही प्रभु के सभी नामो मे श्रेष्ठ है:- स्वामी पंचमानंद जी महाराज

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर 82 पाकेट 7 सेन्ट्रल पार्क मे चल रही संगीत मय श्री राम कथा मे द्वितीय दिवस पर कथा व्यास अनंत श्री विभूषित महा मंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने कहा कि रघुनाथ जी के नाम मे ही ब्रह्मा, विष्णु और शिव की शक्तिया समाहित है तभी तो राम नाम प्रभु के जितने भी नाम है उनमे सर्वश्रेष्ठ कहा गया है अगर यह महा मंत्र न होता तो कैलाश मे निवास करने वाले सदाशिव, इस राम नाम का अनवरत जाप क्यो करते महामंत्र जोइ जपत महेशू काशी मुकुट हेतु उपदेशू भोलेनाथ राम के नाम का जाप इसलिए करते है कि उनके द्वारा दिए गये उपदेश ही काशी मे मोक्ष दायक बन जाय राम नाम की महिमा का ही प्रताप है जिससे गणेश जीप्रथम पूज्य है ।द्वितीय दिवस की कथा मे सती प्रसंग की चर्चा मे व्यास पीठ पर विराजमान महा मंडलेश्वर स्वामी पंचमा नंद महाराज जी ने कहा कि हम सब बाल्मीकि कवि को भलीभाँति जानते है, उनका जीवन परिचय भी सभी को ज्ञात होगा पढ़े लिखे थे नहीं, एक लुटेरे का जीवन जीते थे, बाद मे संतों की कृपा से राम के उलटा मरा मरा कहकर परम ज्ञानी व रामायण जैसे महान ग्रह के लेखक बन गये राम प्रभाउ जानि शिव निको कालकूट फल दीन अमी को ये तुलसीदास जी कहते हैं कि शिव जीने राम नाम के प्रभाव को जान

कर ही जहर पी लिया जिसे शिव के लिए राम जी ने अमृत बना दिया लेकिन जब राम के प्रति अविश्वास, हुआ तो वही अविश्वास सती के मृत्यु का काम बन गया माता सीता के हरण के बाद राम जी वन मे सीता वियोग के कारण वे चैन घूमते हुए लताओं से, वृक्षों से सीता के विषय मे पूछते हैं बस यही पूछना ही सती के मन मे राम के प्रति अविश्वास पै दा कर दिया ।राम की परीक्षा लेने का मन बनाया और अंत मे कथा प्राणांत तक पहुँच ती है कहने का अर्थ यह है कि मानव व समाज चाहे जितना बलशाली हो यदि उसे अपने आराध्य से भरोसा खो दिया तो वह मिट जाएगा तुलसी बाबा तो कहते है कि सुमिरत सुलभ सुखद सब काहू लोक राहु परलोक निबा हू राम शब्द मे आए दोनो अक्षर मगर व मनोहर हैं इन नामो के स्मरण मात्र से लोक व परलोक दोनो ही सुखद रहते हैं इनमे राठ छत्र है तो मठ मुकुटमणि है नाम और नामी दोनों एक है इनको अलग समझने वाला प्राणी अल्प बुद्धि का ही है।अगर मानव राम नाम के गुण को नहीं समझता तो वह वैसा ही है जैसे हाथ मे रखा हुआ हीरा राम का नाम अवर्णनीय है इस लिए रामनाम मन दीप धरि, जीह देहरी द्वार तुलसी बाहर भीतरहु, जउ चाहसि उजियारा इस लिए यदि कल्याण चाहते हो तो राम नाप जपो । आज की कथा मे मथुरा से आऐ हुए कलाकारों द्वारा शिव पार्वती जी की अद्भुत झांकी भी प्रस्तुत की गयी ।जो दर्शकों मे आकर्षण का केन्द्र बना। आज की कथा मे मुख्य रूप से नोएडा फोनरवा के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा, आचार्य विश्व नाथ त्रिपाठी ,गौरव जी, रवि राघव, एन के सोलंकी,रमेश चंद्र दास,संजय पाण्डेय, गोरे लाल, राघवेन्द्र दूबे, हरि शंकर सिंह,अंगद सिंह तोमर, सी एल तिवारी, अमितेश सिंह,राजेश गुप्ता,सिया राम, श्रीमती संतोष सिंह (भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष) हंस मणि शुक्ल,रमेश चंद्र शर्मा, अवनीश तिवारी,संगम प्रसाद मिश्र,अजय सिंह,रमेश वर्मा,शिव चौधरी,संजय मग्गू,एस के तिवारी,राजबीर,रतन भारद्वाज,आर पी सिह,मुनन चौधरी,प्रमोद भारद्वाज,सर्वेश तिवारी,आलोक तिवारी,गुरमेल सिंह,गिरिराज,रमेश शर्मा,रवीन्द्र सिंह देवेन्द्र गुप्ता,वीरेन्द्र आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

चैत्र मास शुक्ल पक्ष के नवरात्रों के पावन पर्व पर नोएडा सेक्टर 9 की जनता शेड्स एंटरप्रिन्योर वेलफेयर सोसाइटी ने माता के भक्तों के लिए व्रत आहार और फलाहार का वितरण किया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। नवरात्र की सप्तमी पर बी-26, सेक्टर- 9 में दोपहर 12 बजे से संध्या अवसान तक सामूहिक फलाहार का कार्यक्रम

आयोजित किया गया। इस सामूहिक फलाहार में भक्तों ने माता के भजनों के साथ व्रत आहार कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और प्रसाद ग्रहण किया। दोपहर 12 बजे से शुरू हुए फलाहार कार्यक्रम में अध्यक्ष कृषि अनुसंधान परिषद मंत्री कैप्टन विकास गुप्ता, अध्यक्ष गनन संस्थान मंत्री नवाब सिंह नागर, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल एनसीआर अध्यक्ष सुनील गुप्ता , सुधीर पोरवाल अमित अग्रवाल , मुकेश गर्ग तथा महिला शक्ति व उनकी पूरी टीम, वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण एडिशनल डीसीपी रणविजय सिंह और प्रशासनिक अधिकारियों ने अपनी गरिमामई उपस्थिति दर्ज कराई। सामूहिक फलाहार कार्यक्रम के दौरान जनता एंटरप्रिन्योर वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष रवीश दीक्षित ने कहा कि उनकी सोसाइटी धर्म के कार्य में हमेशा से बढ़ चढ़कर हिस्सा लेती है और आगे भी ऐसे पुनीत कार्य में अपना सहयोग करती रहेगी। वहीं सोसाइटी के संगठन मंत्री राजीव गोयल ने कहा कि सेक्टर-9 में बड़ी संख्या में काम करने वाले व्यापारी और लोग नवरात्रों के व्रत रखते हैं और सारा दिन काम करते हैं। ऐसे में कई बार उनको व्रत आहार लेने का समय नहीं मिल पाता। इसलिए हमारी सोसाइटी ने इस पर विचार करते हुए पूरे दिन फलाहार वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया। सोसायटी के महासचिव सतनारायण गोयल ने कहा की हमें धर्म के कार्यों में सबका सहयोग करना चाहिए और यही वजह है कि हमने यह कार्यक्रम आयोजित किया। सामूहिक फलाहार वितरण कार्यक्रम में जनता शेड्स एंटरप्रिन्योर वेलफेयर सोसाइटी के सभी सदस्यगण मौजूद रहे। इस दौरान सेक्टर- 9 के भी कई व्यापारियों ने इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

वेंडर्स को व्यवस्थित करने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने फिर किया ड्रा - गंगेश्वर दत्त शर्मा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। प्राधिकरण द्वारा पथ विक्रेताओं को व्यवस्थित करने के लिए चल रहे प्रयासों के तहत 7 अप्रैल 2022 को नोएडा प्राधिकरण द्वारा इंदिरा गांधी कला केंद्र में ड्रा किया गया।अवसर पर पथ विक्रेता कर्मकार यूनियन सीटू के महामंत्री गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि आज फिर 200 से अधिक पथ विक्रेताओं का ड्रा कर वेंडिंग जोन में स्थान दिया गया जिसका स्वागत है और प्राधिकरण यह प्रयास सराहनीय है। लेकिन नोएडा प्राधिकरण पथ विक्रेता अधिनियम के तहत कार्य नहीं कर रहा है और अपनी मनमर्जी से सभी कार्य किए जा रहे हैं प्राधिकरण को सबसे पहले वर्ष 2018 में आवेदन करने वाले पथ विक्रेताओं का ड्रा करना चाहिए उसके बाद नए आवेदन कर्ताओं को ड्रा में शामिल किया जाना चाहिए तथा जिन वेंडर्स को लाइसेंस तो दे दिए गए लेकिन उन्हें अभी तक वेंडिंग जोन में स्थान नहीं दिया है और उनसे पूरा किराया मांगा जा रहा है। यह उचित नहीं है। साथ ही उन्होंने मांग करते हुए कहा कि कोरोना अवधि को किराया माफ किया जाए तथा जिनके वेंडिंग जोन निरस्त कर दिए गए हैं उनका भी किराया माफ किया जाए और किराए की राशि को कम करके लखनऊ के बराबर किया जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि हमारी इन मांगों को नहीं माना गया तो हम 1 मई 2022 को शिमला पार्क सैक्टर-12 नोएडा में बड़ी आमसभा कर फिर से आंदोलन की शुरुआत करेंगे। ड्रा के अवसर पर पूनम देवी, चुन्नू पांडे, विनोद पजियार, सोनिया चौहान, महेंद्र रावत, दिलीप पासवान, ललिता देवी, अमरजीत सिंह, अशोक शर्मा, बटेश्वर मिश्रा, भरत डेंजर, गंगेश्वर दत्त शर्मा आदि टीवीसी सदस्य/ पथ विक्रेता प्रतिनिधि मौजूद रहे। ड्रा प्राधिकरण के ओएसडी प्रसून द्विवेदी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

सीएमएचओ डॉ0 आर.एस. पांडेय ने किया पदभार ग्रहण

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 आर.एस. पांडेय आज मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय पहुंचकर अपना पदभार ग्रहण किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 पांडेय इसके पूर्व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी पनन के रूप में पदस्थ थे। पदभार ग्रहण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक लेकर स्वास्थ्य विभाग से जुड़े विभिन्न जनहितकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के संबंध में चर्चा की। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग से जुड़े शासन की सभी जनहितकारी योजनाओं तथा कार्यक्रमों पर मेरी प्राथमिकता रहेगी तथा मैं सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपेक्षा करता हूं कि अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, सेवा भावना और ईमानदारी के साथ करेंगे। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिले के स्वास्थ्य सुविधाओं एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान स्थानांतरित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ0 एम.एस. सागर, डीएचओ-2 डॉ0 योगेंद्र पासवान, मुख्य लिपिक श्री आरके अगिन्होत्री एवं लेखापाल श्री राकेश श्रीवास्तव उपस्थित थे।

नवरात्रि के पावन पर्व पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने किया मां शारदा के दर्शन

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। भारतीय जनता पार्टी के लोकप्रिय प्रदेश अध्यक्ष खजुराहो सांसद वी डी शर्मा पहुचे मैहर कटनी मोड़ चौराहा बाईपास में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीकांत चतुर्वेदी प्रभारी, अभय प्रताप सिह,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीकान्त चतुर्वेदी, जिला अध्यक्ष नरेंद त्रिपाठी,जिला महामंत्री ऋषभ सिंह रतनकर चतुर्वेदी शिवा पहलाद पटेल विजय तिवारी मडल अध्यक्ष मैहर, मंडल अध्यक्ष अमरपाटन धीरेन्द

जी के नेतृत्व में हुआ जोरदार स्वागत तत्पश्चात किये माँ शारदे के दर्शन मां शारदा शक्तिपीठ के प्रधान पुजारी श्री पवन महाराज ने विधि विधान से पूजा अर्चना कर दर्शन लाभ प्राप्त किया माँ जगत जननी से प्रदेश अध्यक्ष ने देश प्रदेश की खुशहाली का मागा माता शारदे से आशीर्वाद लक्ष्मी प्रसाद यादव प्रदेशउपाध्यक्ष योगेश ताम्रकर सतना जिले के दुवेदी सांसद प्रतिनिधि दिनेश शुक्ला संजय राय जी संतोष सोनी सत्यवान पटेल युवा मोर्चा मैहर अध्यक्ष प्रिंस शर्मा नितिन ताम्रकार तुषार अग्रवाल शांतनु तिवारी राजा पांडे विकास तिवारी पारसनाथ तिवारी पुरुषोत्तम चौरसिया विनोद चौरसिया विकास गौतम व समस्त भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

अपराधियों और माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही करना राजधर्म- मुख्यमंत्री

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि अपराधियों एवं माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही करना राजधर्म है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश के सभी जिलों में अपराधियों एवं माफियाओं के विरूद्ध सख्त कार्यवाही होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी संभागायुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, कलेक्टरों एवं पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित करते हुए कहा है कि मध्यप्रदेश में अपराधियों एवं माफियाओं के विरूद्ध अब तक जो कार्यवाही हुई है उसकी मैं सराहना करता हूं। उन्होंने कहा है कि अपराधियों एवं माफियाओं के विरूद्ध मध्यप्रदेश में सतत कार्यवाही होना चाहिए तथा अपराधियों एवं माफियाओं का डर नागरिकों के मन से निकलना चाहिए, नागरिकों का हौसला बढ़ना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में प्रदेश के संभागायुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, कलेक्टरो, पुलिस अधीक्षकों एवं अन्य अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थें। उन्होंने कहा कि अपराध कम करना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गुंडों, बदमाशों, भू-माफियाओं के विरूद्ध सख्त कार्यवाही होना चाहिए और अपराधियों एवं गुंडों का डर लोंगों के दिल से निकलना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य प्रदेश में सभी प्रकार के अपराध समाप्त करना है, अपराधियों एवं दुष्ट व्यक्तियों को दंड देना हमारा राजधर्म है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था से जुड़े। सभी अधिकारी राजधर्म का पालन करते हुए अपराधियों, गुंडों एवं भू-माफियाओं के विरूद्ध सख्त और निरंतर कार्यवाही करें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अपराधियों एवं भू-माफियाओं से जो शासकीय भूमि मुक्त कराई गई है उसकी सूची बनाएं और उसका उपयोग जनहित में करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में फर्जी चिटफंड कम्पनियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करें जो चिटफंड कम्पनियां लोंगो का पैसा लेकर भाग गई है, उनके विरूद्ध भी सख्त कार्यवाही होना चाहिए। कमिश्नर कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने मिलावट से मुक्ति अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में मिलावटी सामग्री बेचने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को निर्देश दिए कि जनता की जिंदगी से किसी को खेलने न दें जनता की जिंदगी से खेलने वाले मिलावटखोरो के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलों में विकास और जन कल्याण के काम होने चाहिए, आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने के लिए शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रभावी एवं परिणाममूलक क्रियान्वयन होना चाहिए और योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोंगों को मिलना चाहिए। कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में चिन्हित अपराधों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चिन्हित अपराधों में अपराधियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही हो और उन्हें दंड मिले इसके निरंतर प्रयास होने चाहिए। शहडोल कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष में आयोजित वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कमिश्नर शहडोल संभाग श्री राजीव शर्मा, उप पुलिस महानिरीक्षक श्री डीसी सागर, कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य, पुलिस अधीक्षक श्री अवधेश कुमार गोस्वामी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हिमांशू चंद्र, अतिरिक्त पुलिस उप महानिरीक्षक श्रीमती प्रतिमा मैथूज, जिला आबकारी अधिकारी श्री सतीश कश्यप एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

कलश यात्रा के साथ शुरू हुयी श्री राम कथा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। प्रभु श्री राम ,ब्राह्मण गाय, देवता और संत की रक्षा के लिए त्रेता युग में इस धरती पर मानव के रूप में अवतरित हुए थे उन्होंने

जीवन में जो कुछ भी किया वह मानवीय मर्यादाओं में होकर किया इसलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम राम के नाम से जाना जाता है। वे पूर्ण ब्रह्म थेऔर उस ब्रह्म को जानने व प्राप्त करने के लिए जो साधन है वह हमारे धर्म ग्रंथों में उपलब्ध है उक्त बातें विशाल कलश यात्रा के साथ सेक्टर 82 के पाकेट 7 सेंट्रल पार्क में आयोजित रामकथा के प्रथम दिवस व्यास गद्दी पर विराजमान महामंडलेश्वर स्वामी पंच मानंद जी महाराज पीठाधीश्वर वनखंडी सरकार निखिल धाम गयपुरा, मुरैना मध्य प्रदेश ने कहीं।कथा के महत्व को बताते हुए व्यास जी ने कहां कि श्री राम की कथा सुनने से जीवन सुधर जाता है, सुख मय हो जाता है और व्यक्ति पूरे जीवन प्रभु के आनंदमय जीवन का स्मरण करता हुआ सुख का भोग करता है इसीलिए तो तुलसीदास ने कहां है :-राम राम कथा सुंदर करता री। संशयविहग उड़ावन हारी। इस मौके पर आचार्य विश्व नाथ त्रिपाठी ,गौरव जी, संजय पाण्डेय,सी एल तिवारी,रवि राघव,एन के सोलंकी,राघवेन्द्र दूबे,अंगद सिंह तोमर,संगम प्रसाद मिश्र,गोरे लाल,बृज किशोर,रमेश चंद्र दास,हरि शंकर सिंह,मनोज गोयल (व्यापार मंडल भंगेल के अध्यक्ष), विष्णु शर्मा,श्रीमती संतोष सिंह (भाजपा महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष),अनूप सिंह,मुनन चौधरी,सुशील पाल,विनय त्रिवेदी,धर्मेन्द्र सिंह, राजेश गुप्ता,सिया राम,देवेन्द्र गुप्ता,रमेश शर्मा,शिव चौधरी,अजय श्रीवास्तव,अवनीश तिवारी,वीरेन्द्र सिंह,गिरिराज जी आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

द पैराडाइस स्कूल ने अपने बच्चों को वैक्सीन लगवाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। विश्व स्वास्थ दिवस के दिन द पैराडाइज स्कूल ने अपने सभी 12 वर्ष से ऊपर छात्र-छात्राओं का वैक्सीनेशन कराया, जिससे वह कोरोना की आ रही चौथी लहर से सुरक्षित रह सकें और सभी छात्र छात्राओं को स्वस्थ जीवन और स्वस्थ शरीर का महत्व समझाया विद्यालय के प्रबंधक राहुल अवाना जी ने संदेश दिया-कि कोरोना से बचने के लिए सभी लोगों का वैक्सीनेशन होना जरूरी है और हम सभी को खुद आगे बढ़कर वैक्सीनेशन कराना चाहिए और उसमें सहयोग देना चाहिएं इस दौरान विद्यालय के कई अध्यापक पूजा अवाना, कीर्ति राजपूत, काशी पाल, पवन खनन संगीता, सीमा खान और सरिता जी मौजूद रहें

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट शादी के बाद इस भव्य होटल में देंगे रिसेप्शन, पढ़ें ताजा जानकारा

नई दिल्ली। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की शादी की खबरों को लेकर नई खबर आई हैत् अब खबरों के अनुसार रणबीर कपूर और आलिया भट्ट अपने परिवार वालों और खास दोस्तों की उपस्थिति में शादी करने के बाद बॉलीवुड के लोगों के लिए मुंबई के द ताज महल पैलेस होटल में एक भव्य रिसेप्शन दे सकते हैत् इसमें करण जोहर, ऋतिक रोशन, रानी मुखर्जी, कटरीना कैफ, सिद्धार्थ मल्होत्रा, अर्जुन कपूर, आदित्य रॉय कपूर और वरुण धवन जैसे कलाकार भाग लेते नजर आएंगे रणबीर कपूर और आलिया भट्ट ने पिंकविला में छपी खबर के अनुसार तय किया है कि उनकी शादी का रिसेप्शन मुंबई के द ताज महल पैलेस होटल में होगा जो कि 17 अप्रैल को होने की संभावना हैत् इसके बाद दोनों एक बार फिर अपने काम में व्यस्त हो जाएंगे यह भी कहा जा रहा है कि आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने द ताज महल पैलेस का दौरा किया ताकि वह वेडिंग रिसेप्शन के लिए इसे बुक कर सके रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि रणबीर कपूर अपने खास दोस्तों के लिए एक बैचलर पार्टी का भी आयोजन कर रहे हैं यह पार्टी 16 अप्रैल को हो सकती है इसमें 50 लोगों को आमंत्रित किया गया है दोनों शादी को लेकर बहुत उत्साहित है रणबीर कपूर और आलिया की जोड़ी काफी पसंद की जाती है गौरतलब है कि रणबीर कपूर और आलिया भट्ट एक-दूसरे को लंबे समय से डेट कर रहे हैं दोनों ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया है दोनों जल्द ब्रह्मास्त्र नामक फिल्म में नजर आने वाले हैं इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है।

राजकुमार राव ने अपनी पहली नेटफिल्क्स सीरीज 'गंस एंड गुलाब्स' की शूटिंग की खत्म

नई दिल्ली। अनस्टॉपेबल आर्टिस्ट राजकुमार राव फिल्म 'बधाई दो' के बाद अब अपनी नेटफ्लिक्स सीरीज 'गंस एंड गुलाब्स' लेकर आ रहे हैं। जिसकी शूटिंग उन्होंने पूरी कर ली है और इस बात की जानकारी राजकुमार ने खुद शेयर की है। यह राजकुमार की पहली नेटफ्लिक्स सीरीज है, जिसे राज और डीके (राज निदिमोरु और कृष्णा डीके) की मशहूर जोड़ी ने निर्देशित किया है। 'गंस एंड गुलाब्स' 90 के दशक की कहानी समेटे हुए एक क्राइम-रोमांटिक थ्रिलर है। राजकुमार राव ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शूटिंग सेट से डायरेक्टर राज और डीके के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की। तस्वीर में तीनों ही मुस्कुरातें हुए नजर आ रहे हैं और तीनों की कमाल की बॉन्डिंग दिखाई दे रही है। पोस्ट को शेयर करते हुए एक्टर ने कैप्शन में लिखा, ठऔर यह 'गंस एंड गुलाब्स' के लिए एक रैप है। नेटफ्लिक्स के साथ मेरी पहली सीरीज। इन दो असाधारण लोगों राज और डीके के साथ इतने अद्भुत 3 महीने। बहुत-बहुत धन्यवाद राज निदिमोरु और डीके। एक्टर ने सीरिज की रिलीज को लेकर अपनी बेताबी दिखाई और फैंस तक इसे पहुंचाने के लिए काफी उत्सुक नजर आए। इसके साथ ही उन्होंने आगे लिखा, यह यात्रा आप लोगों के बिना ऐसी नहीं होती। धन्यवाद टीम

'गंस एंड गुलाब्स', आप लोग अद्भुत हैं। मेरे पास इतना अमेजिंग टाइम था और इस भूमिका को निभाने में बहुत मजा आया। मैं इसे आप लोगों द्वारा देखने का इंतजार नहीं कर सकता। बहुत जल्दी मिलते हैं सिर्फ नेटफ्लिक्स पर। गंस एंड गुलाब्स' का निर्माण राज एंड डीके के बैनर डी2आर फिल्म्स द्वारा किया जा रहा है। इस सीरीज में राजकुमार के अलावा साउथ एक्टर दुल्कर सलमान, आदर्श गौरव, गुलशन देवैया और टीजे भानु भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। दुल्कर का यह ओटीटी डेब्यू है। सीरीज इसी साल रिलीज की जाएगी वर्कफ्रंट की बात करें तो राजकुमार राव के पास अनुभव सिन्हा की 'भीड़', नेटफ्लिक्स की 'मोनिका ओ माय डार्लिंग', धर्मा प्रोडक्शन की 'मिस्टर एंड मिसेज माही' और तेलुगु फिल्म 'हिटः द फर्स्ट केस' का हिंदी रीमेक भी है।

मुन्नवर फारुकी की शादी और बेटे को लेकर कंगना ने किया बड़ा खुलासा, कॉमेडियन से अंजलि अरोड़ा कर चुकी हैं प्यार का इजहार

नई दिल्ली। अभिनेत्री कंगना रनोट ने रियलिटी शो लॉक अप में मुन्नवर फारुकी सबके चर्चित कंटेस्टेंट्स में से एक हैं। वह शो में अपने खेल और रणनीति के अलावा लव लाइफ को लेकर भी काफी चर्चा में हैं। लॉक अप में मुन्नवर फारुकी की करीबियां सबसे ज्यादा अंजलि अरोड़ा के साथ देखने को मिल रही है। इस बीच मुन्नवर फारुकी की निजी जिंदगी को लेकर ऐसा खुलासा हुआ जिसको जानकर हर कोई हैरान हो सकता है। शनिवार को लॉक अप की होस्ट कंगना रनोट शो के सभी कंटेस्टेट्स के रूबरू हुईं। इस दौरान उन्होंने मुन्नवर फारुकी को लेकर खुलासा किया। अभिनेत्री ने ब्लर तस्वीर शेयर कर उनकी शादी के बारे में बताया। इतना ही नहीं उन्होंने बताया कि मुन्नवर फारुकी का एक बेटा भी की। हालांकि शुरुआत में मुन्नवर फारुकी ने अपनी शादी के बारे में बात करने से मना कर दिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने शो में अपने बेटे की वजह से हिस्सा लिया है। उनकी यह बात जानने के बाद अंजलि अरोड़ा सहित शो में मौजूद सभी कंटेस्टेंट्स हैरान रह गए। कंगना रनोटने मुन्नवर फारुकी से कहा है कि अगर वह चाहें तो अपनी फैमिली के बारे में बात कर सकती हैं। यह किसी भी तरह के नेगेटिव छवि नहीं बनेगी। कंगना रनोट की बात सुनने के बाद मुन्नवर फारुकी ने खुद के सालों से शादीशुदा होने और उस शादी से एक बच्चा होने का खुलासा किया। वहीं एपिसोड से कंगना रनोट के जाने के बाद मुन्नवर फारुकी ने लॉक अप के सभी कंटेस्टेट्स को बताया है कि वह इस शो का हिस्सा अपने बेटे की वजह से हैं। आपको बता दें कि लॉक अप में मुन्नवर फारुकी और अंजलि अरोड़ा के बीच काफी नजदीकियां देखने को मिल रही है। हाल ही में अंजलि ने उनसे अपने प्यार का इजहार किया है। मुन्नवर फारुकी और अंजलि अरोड़ा को अक्सर साथ देखा जाता है। मुन्नवर फारुकी ने बताया है कि उन्होंने कम उम्र में शादी कर ली। कॉमेडियन ने बताया कि वह और उनकी पतने पिछले डेढ़ साल से साथ नहीं रह रहे है। उन्होंने आगे कहा कि उनकी शादी और अलगाव पहले से ही अदालत में है, इसलिए वह इस बारे में सार्वजनिक तौर पर बात करने से परहेज करते हैं। उनकी यह सुनकर सभी कंटेस्टेंट्स चुप और हैरान हो जाते हैं। अंजलि अरोड़ा भी काफी हैरान नजर आई। वहीं इस बारे में खुलकर बात करने पर कंगना रनोट ने मुन्नवर फारुकी की तारीफ की।

वरुण धवन और जान्हवी कपूर ने लखनऊ में शुरू की फिल्म 'बवाल' की शूटिंग साझा की मुहूर्त शॉट की झलक

नई दिल्ली। अभिनेता वरुण धवन और एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने अपनी अपकमिंग फिल्म बवाल की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म के फ्लोर पर आने की जानकारी फिल्म के निर्देशक नितेश तिवारी की पतने अश्विनी अय्यर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म के क्लैपबोर्ड की एक तस्वीर साझा कर दी है। इस मुहूर्त शॉट के झलक साझा कर उन्होंने लिखा, बवाल हैप्पीनेस शुरू होती है। साजिद सर की जोशीली मुस्कान और वर्दा खान नाडियाडवाला की याद आ रही है। क्योंकि शूटिंग शानदार इंसान और अभिनेता वरुण धवन और जान्हवी कपूर के साथ शुरू हो चुकी है। वरुण और जान्हवी कपूर का आभार। समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म का पहला शेड्यूल उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शूट किया जा रहा है। हाल ही में वरुण और जान्हवी कपूर को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया था, जहां से वो शूटिंग लोकेशन लखनऊ के लिए रवाना हुए थे। वहीं, बवाल की शूटिंग को भारत के अलावा पेरिस सहित यूरोप के चार देशों में भी शूट किया जाएगा। निर्देशक साजिद नाडियाडवाला और निर्माता नितेश तिवारी की इस फिल्म से जान्हवी कपूर और वरुण धवन पहली बार साथ में नजर आने वाले हैं। फिल्म बवाल 7 अप्रैल, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं, फिल्म निर्माताओं ने फिल्म की घोषणा कर रिलीज डेट का एलान किया है। हालांकि अभी फिल्म के किरदार को लेकर कोई भी जानकारी साझा नहीं की गई है। वहीं, बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो वो जल्द ही राज मेहता के निर्देशन में बनी रोमांटिक ड्रामा फिल्म में कियारा आडवाणी के साथ मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वरुण धवन और कियारा आडवाणी के अलावा अनिल कपूर और नीतू कपूर अभिनेता के माता-पिता की भूमिका में दिखाई देंगी। इसके अलावा अभिनेता अमर कौशिक की फिल्म भेडिया में एक्ट्रेस कृति सेनन के साथ नजर आने वाले हैं। इस हॉरर कॉमेडी फिल्म के महत्वपूर्ण हिस्से को अरुणाचल प्रदेश में फिल्माया गया है। साथ ही वो शशांक खेतान की फिल्म रणभूमि और मिस्टर लेले में भी मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं।

'माई' की स्टोरी जाने बिना साक्षी तंवर ने किए थे दो मुश्किल सीन इस तरह निर्देशन ने एक्ट्रेस का बनाया वेब सीरीज की हीरोइन

नई दिल्ली। टीवी और बॉलीवुड अभिनेत्री साक्षी तंवर इन दिनों अपनी वेब सीरीज माई को लेकर सुखिर्यों में हैं। यह वेब सीरीज जल्द ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली हैं। वेब सीरीज माई का निर्देशन अतुल मोंगिया ने किया है। इस सीरीज से अतुल बतौर निर्देशक अपने करियर की शुरुआत कर रहे हैं। ऐसे में निर्देशक ने बताया है कि कैसे उन्होंने इस सीरीज के लिए साक्षी तंवर को लेना का फैसला किया है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि वेब सीरीज माई में साक्षी तंवरो का किरदार उनकी मां से प्रेरित है। हाल ही में दिल्ली में माई की स्टार साक्षी तंवर, राइमा सेन और अतुल मोंगिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में सितारों ने वेब सीरीज में माई को ढेर सारी बातें कीं। अतुल मोंगिया ने वेब सीरीज माई को करने की वजह का खुलासा करते हुए बताया कि उनको इस सीरीज की कहानी लिखने का आइडिया उनकी मां से मिला था।अतुल मोंगिया ने कहा, 'इसकी कहानी मेरी मां से प्रेरित नहीं है बल्कि किरदार मेरी मां से लिया गया है। मैं याद रखना चाहता था कि यह महिला मेरी मां या सार्वभौमिक मां जैसी है। इसे मैं कभी नहीं भूलना चाहता हूं और मेरे लिए यह याद रखने के लिए है कि अगर मेरी मां इस तरह की स्थिति में होती तो कैसा होता। मैंने इस किरदार को अपनी मां का नाम दिया है। अतुल मोंगिया ने यह भी बताया है कि कैसे वेब सीरीज माई की कहानी जाने बिना साक्षी तंवर ने दो शानदार सीन किए और उन्होंने इस सीरीज के लिए उन्हें लेने का फैसला कर लिया था। अतुल मोंगिया ने कहा, 'इस वेब सीरीज में बहुत कुछ साक्षी तंवर के व्यक्तित्व, उनकी ओर से किए गए काम से जुड़ा था। साक्षी आमतौर पर अच्छी बहू और अच्छी पतने रही हैं। वह एक संवेदनशील इंसान हैं, अच्छी और विनम्र है। उन्होंने आगे कहा, 'हमारे पास एक मॉक शूट था। हमने दो सबसे मुश्किल सीन्स को लिया। जिसमें से एक आप ट्रेलर में देख रहे हैं कि साक्षी तंवर किसी को छड़ी से मार रही होती हैं। इस सीन को उन्होंने अविश्वसनीय तरीके से किया था। मुझे याद है कि स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद वह मुझसे पहली बार मिली थी और उन्होंने साक्षी ने मुझसे कहा कि मैं ऐसा करने से बहुत डरती हूं, लेकिन मैं यह करना चाहती हूं।' वेब सीरीज माई 15 अप्रैल को रिलीज होगी।

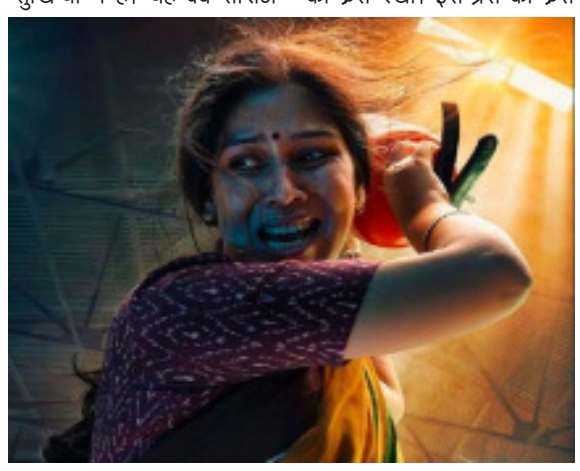

पलक तिवारी ने हार्डी संधू के नए गाने पर बनाया रील, फैंस ने कहा, 'सिंड्रेला इन रेड ड्रेस'

नई दिल्ली। पलक तिवारी ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक वीडियो शेयर की है। इसमें उन्हें हार्डी संधू के हाल ही में रिलीज हुए गाने कुडिया लाहौर दिया पर रील बनाते हुए देखा जा सकता है। इसमें उन्होंने लाल कलर की ड्रेस पहन रखी हैं और उनके बाल खुले हुए हैं और वह अलग-अलग अदाएं दिखाकर वीडियो बनाती नजर आ रही है पलक तिवारी का यह वीडियो फैंस को काफी पसंद आ रहा है। पलक तिवारी ने वीडियो कई लोगों को टैग भी किया है। इसमें गायक हार्डी संधू भी शामिल है। गौरतलब है कि पलक तिवारी हार्डी संधू के साथ काम कर चुकी हैं। उन्होंने उनके साथ बिजली-बिजली गाने में डांस किया था। इस गाने को काफी पसंद किया गया था। हाल ही में श्वेता तिवारी ने भी बेटी पलक तिवारी की तरह हार्डी संधू के इसी गाने पर डांस किया था। पलक तिवारी के इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर 43 हजार से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। वहीं इस पर 290 से ज्यादा कमेंट किए जा चुके हैं। कई लोगों ने इसपर दिल और आग की इमोजी भी शेयर की है। वहीं कई लोगों ने ब्यूटीफुल, अमेजिंगज़ लवली, नाइस, सिंड्रेला इन रेड ड्रेस कैसे कमेंट किए हैं।

एन सी सी के दिनों ऐसी दिखती थीं जया बच्चन, अमिताभ बच्चन की पत्नी की ये थ्रोबैक तस्वीर हुई वायरल

नई दिल्ली। बॉलीवुड की मशहूर और दिग्गज अभिनेत्री जया बच्चन ने शनिवार (9 अप्रैल) को अपना 74वां जन्मदिन मनाया। इस खास मौके पर उन्हें फैंस सहित कई फिल्मी सितारों ने बधाई दी। इस बीच जिसकी बधाई की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है वह जया बच्चन की बेटी श्वेता है। श्वेता बच्चन ने सोशल मीडिया पर मां जया को खास अंदाज में बधाई दी है। श्वेता बच्चन सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं। उनकी फैन फॉलोइंग भी काफी ज्यादा है। श्वेता बच्चन अपने परिवार के साथ अक्सर सोशल मीडिया पर काफी तस्वीरें और वीडियो भी शेयर करती रहती हैं। मां जया बच्चन के जन्मदिन के मौके पर श्वेता बच्चन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर उनकी बेहद खास तस्वीर शेयर की है। दिग्गज अभिनेत्री की यह थ्रोबैक तस्वीर है। जया बच्चन की यह तस्वीर उन दिनों की है जब वह एनसीसी (नेशनल कैडेट कोर) का हिस्सा हुआ करती थीं। उनकी यह ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर है। तस्वीर में जया बच्चन पूरी तरह से एनसीसी की ड्रेस में दिखाई दे रही हैं और वह मुस्कुरा रही हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए श्वेता बच्चन ने खास कैप्शन लिखा और जया बच्चन को उनके 74वें जन्मदिन की खास अंदाज में बधाई दी। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मां, आप हमेशा ऐसे मुस्कुराएं जैसे आपने सबसे अच्छा एनसीसी कैडेट बनाया है या आपके पास खाने के लिए केकड़ों की एक बड़ी प्लेट है।' सोशल मीडिया पर जया बच्चन के लिए लिखा श्वेता का यह खास पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है। दिग्गज अभिनेत्री के फैंस पोस्ट को खूब पसंद कर रहे हैं। साथ ही कमेंट कर जया बच्चन को उनके जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। आपको बता दें कि जया बच्चन ने अपने फिल्मी करियर में 'गुड्डी', 'उपहार', 'कोशिश', 'जंजीर', 'अभिमान', 'कोरा कागज', 'चुपके-चुपके', 'मिली', 'शोले', 'सिलसिला' जैसी कई मशहूर फिल्मों में काम किया है। वहीं जया जल्द ही करण जौहर की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में आलिया भट्ट, रणबीर सिंह, शबाना आजमी और धर्मेंद्र भी नजर आएंगे।

सोनाक्षी सिन्हा के साथ किया गया मजाक, फैन बनकर एक्टर ने कहा, 'शादी करो नहीं तो काट लूंगा गला'

नई दिल्ली। सोनाक्षी सिन्हा के साथ एक मजेदार प्रैंक उनके वैनिटी वैन में किया गया। दरअसल सोनाक्षी सिन्हा को पता नहीं था कि उनके साथ मजाक किया जा रहा है। इसके चलते वीडियो के अंत में वह काफी डर जाती है। प्रैंक में सोनाक्षी सिन्हा जैसे ही वैनिटी वैन में आती है, बाथरूम से एक फैन बाहर निकलता है जो सोनाक्षी सिन्हा से कहता है कि वह उनसे बहुत प्यार करता है और चाहता है कि सोनाक्षी उससे शादी कर लें। इसपर सोनाक्षी उन्हें समझाने का प्रयास करती है। हालांकि वह नहीं मानता। सोनाक्षी के मना करने पर वह चाकू निकाल लेता है और अपना गला काटने की धमकी देता है। सोनाक्षी सिन्हा डर जाती है और सहायता के लिए लोगों को पुकारती है। सोनाक्षी सिन्हा जल्द द खतरा-खतरा शो में नजर आने वाली है। सोनाक्षी सिन्हा ने कई फिल्मों में काम किया है। उनकी फिल्में काफी पसंद की गई हैं। वह सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय है। वह अक्सर अपनी हॉट और बोल्ड तस्वीरें और वीडियो शेयर करती है, जिसे लेकर उनके फैंस भी काफी उत्साहित रहते हैं। वह अक्सर अपने फैंस से बातचीत भी करती है इसके अलावा सोनाक्षी को उनके फैशन सेंस के लिए भी जाना जाता है।

सेफ्टी पिन से बनाई ड्रेस को ब्लैक बिकिनी पर पहन किया डांस, 'बोल्ड' वीडियो देख फैंस ने कहा, 'वाह, मौज कर दी

नई दिल्ली। उर्फी जावेद ने अब एक बार फिर तहलका मचा दिया है उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी हालिया बोल्ड वीडियो शेयर की है इसमें उन्हें सेफ्टीपिन से तैयार की गई ड्रेस पहनकर डांस करते हुए देखा जा सकता हैत् खास बात यह है कि इस वीडियो में उन्होंने सेफ्टीपिन के अलावा नाम मात्र की बिकिनी पहन रखी है इसके चलते इसमें उनका टोंड फिगर नजर आ रहा है उर्फी जावेद ने वीडियो में लिपस्टिक लगा रखी है उनके बाल बंधे हुए है उन्होंने मेकअप कर रखा है और वह कैमरे की ओर देखकर बोल्ड अंदाज में डांस करती हुई नजर आ रही है उर्फी जावेद ने यह वीडियो 1 घंटे पहले शेयर किया है, जिसे 44 हजार से अधिक लाइक्स मिल चुके हैत् वहीं इसपर 12 सौ से अधिक कमेंट किए जा चुके हैं उर्फी जावेद ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा है, 'यह ड्रेस पूरी तरह से सेफ्टीपिन से बनी है इसे बनाने में 3 दिन लगे इसके साथ उन्होंने गीता जयसवाल का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने इस ड्रेस बनाने में उनकी सहायता कीत् इसके अलावा उन्होंने हेयर मेकअप करने वाले अन्य लोगों को भी वीडियो में टैग किया है उन्होंने यह भी बताया कि यह स्टाइलिंग और आइडिया उनका है उर्फी जावेद को वीडियो में उन्हें ब्लैक कलर की बिकिनी पर सेफ्टीपिन से बनी ड्रेस पहनकर डांस करते हुए देखा जा सकता है वह काफी खुश नजर आ रही है इसपर कई लोगों ने दिल और आग की इमोजी शेयर की है वहीं कई लोगों ने वावो, स्वीट, सो हॉट, माइंड ब्लोइंग जैसे कमेंट किए है वहीं एक अन्य ने लिखा है, 'जल्द ही आपको सलमान भाई का लेटर मिलेगा वहीं एक फैन ने लिखा है, 'वाह, मौज कर दी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।